Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24 website- www.dvpnews.in रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 03 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, मंगलवार 10 जून 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अच्छे लोग दूसरों के लिए जीते हैं, जबकि दुष्ट लोग दूसरों पर जीते हैं।
Good People live for others while the bad people live on others.
आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में एएसपी आकाश राव गिरपुंजे हुए शहीद, कई जवान घायल

सुकमा (विसं)। छत्तीसगढ़ के सुकमा से सोमवार को नक्सलियों के बिछाये प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से हुए ब्लास्ट में एडिशनल एसपी आकाश राव गिरीपुंजे शहीद हो गए. इस ब्लास्ट में कुछ अन्य अधिकारी और जवान भी चपेट में आए हैं, जिनका इलाज जारी है.

सूत्रों के मुताबिक अतिरिक्त एसपी आकाश राव क्षेत्र में पैदल गश्त पर थे. यह गश्त 10 जून को प्रस्तावित भारत बंद को ध्यान में रखते हुए की जा रही थी, जिसे भाकपा (माओवादी) ने बुलाया है. इसी दौरान कोन्टा-एर्राबोरा मार्ग पर डोंड्रा के पास प्रेशर ङ्खश्वष्ठ की चपेट में आने से जबरदस्त विस्फोट हुआ और वे गंभीर घायल रूप से घायल हो गए. कोंटा टीआई सोनम ग्वाला और एसडीओपी भी घायल हुए.

विस्फोट के तुरंत बाद घायल अधिकारियों और जवानों को कोन्टा अस्पताल लाया गया. अन्य घायल जवानों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है. घटना के बाद क्षेत्र में हाई अलर्ट है और नक्सली गतिविधियों की आशंका के चलते अतिरिक्त बल भी तैनात किया गया है.

गृहमंत्री विजय शर्मा ने एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे की शहादत पर किया नमन

गृहमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर ,स्क्र सुकमा आकाश राव गिरिपुंजे की शहादत पर नमन किया। विजय शर्मा ने कहा कि एएसपी सुकमा आकाश राव गिरिपुंजे एक बहादुर जवान थे और उन्हें कई वीरता पुरस्कार दिए गए थे। यह हमारे लिए बहुत दुख का विषय है।

मुख्यमंत्री ने शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुंजे के निवास पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

- शहीद एएसपी श्री गिरपुंजे के पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित कर दी श्रद्धांजलि, परिवारजनों में मिलकर ढांढस बंधाया
- मुख्यमंत्री ने गृह विभाग के अधिकारियों की हाई लेवल बैठक में नक्सल घटना की जानकारी ली
- अस्पताल पहुंचकर नक्सल घटना में घायल जवानों से की मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में शहीद एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे के राजधानी रायपुर स्थित निवास पहुंचकर उनके पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे के शोक संतप्त परिवारजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि शहीद एएसपी श्री आकाश राव गिरपुंजे ने अपने कर्तव्य के प्रति अदम्य साहस, निष्ठा और समर्पण दिखाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। हमें उन पर गर्व है। सरकार इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ पहुंचे वन मंत्री श्री केदार कश्यप और गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक श्री अरूण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नक्सल ऑपरेशन श्री विवेकानंद सिन्हा ने भी शहीद श्री गिरपुंजे को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सुकमा के कोंटा में हुई नक्सल घटना के मद्देनजर अपना राजनांदगांव का प्रस्तावित दौरा स्थगित करते हुए मंत्रालय महानदी भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की हाई लेवल बैठक में इस घटना की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट के विषय में अधिकारियों से जानकारी ली और नक्सल ऑपरेशन्स की समीक्षा की। उन्होंने घायल जवानों को त्वरित रूप से समुचित इलाज उपलब्ध कराने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजरात हाईकोर्ट को सोमवार, 9 जून 2025 को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट को बम से उड़ा दिया जाएगा. यह ईमेल सुबह लगभग 11:30 बजे कोर्ट के आधिकारिक ईमेल पते पर भेजा गया, जिसके बाद पुलिस और प्रशासनिक महकमा तुरंत हरकत में आ गया. ईमेल मिलते ही डीसीपी सफीन हसन, कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर मौके पर पहुंचे और हाईकोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. इस दौरान उच्च स्तरीय बैठक भी की गई जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तत्काल निर्णय लिए गए. हाईकोर्ट के सभी गेट बंद कर दिए गए.

देश में कोरोना के नए वेरिएंट एक्सएफजी के 163 मामले सामने आए

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच नए वेरिएंट एक्सएफजी के मामले भी सामने आए हैं। भारतीय एसएआरएस-कोव2 जीनोमिक्स सीक्वेंसिंग कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) के मुताबिक, भारत में एक्सएफजी वेरिएंट के 163 मामले दर्ज किए गए हैं। सबसे ज्यादा 89 मामले महाराष्ट्र में सामने आए हैं। उसके बाद तमिलनाडु में 16, केरल में 15, गुजरात में 11 और आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 6-6 मामले सामने आए हैं।

भारत ने बीते 11 वर्षों में विविध क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार के 11 वर्षों के कार्यकाल में भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है।

अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा होने के अवसर पर मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में सुशासन और परिवर्तन पर स्पष्ट ध्यान दिया गया है।

सोशल मीडिया मंच पर किए गए पोस्ट में उनके द्वारा साझा किए गए एक लिंक में कहा गया है कि वर्तमान केंद्रीय मंत्रियों में से 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणियों से हैं।

इस संदेश का उद्देश्य कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों द्वारा सरकार पर एससी, एसटी और ओबीसी के हितों के खिलाफ काम करने के आरोपों के बीच उनकी सरकार की सामाजिक न्याय संबंधी साख को उजागर करना है।

पोस्ट में कहा गया है कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में, हाशिए पर पड़े इन समूहों का यह अब तक का सबसे अधिक प्रतिनिधित्व है।

'एक्स' पर अपने पोस्ट में मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों के आशीर्वाद और सामूहिक भागीदारी से भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बदलाव देखा है। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के सिद्धांत से प्रेरित होकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने तेज गति से, उचित अनुपात में और संवेदनशीलता के साथ पथ-प्रदर्शक परिवर्तन किए हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास से लेकर सामाजिक उत्थान तक, जन-केंद्रित, समावेशी और सर्वांगीण प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

तहव्वुर राणा को कोर्ट से राहत, मिल गई परिवार से बात करने की अनुमति

नई दिल्ली (आरएनएस)। मुंबई में 26/11 आतंकी हमले की साजिश को अंजाम देने वाले तहव्वुर राणा को सोमवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उसकी फोन पर परिवार से बातचीत करने की मांग वाली याचिका को स्वीकार करते हुए उसे बात करने की अनुमति दे दी है। बता दें कि राणा ने विदेशी नागरिक होने और उसके परिवार को उसकी स्थिति जानने का अधिकार होने का हवाला देते हुए बातचीत की अनुमति मांगी थी।

उत्तरी सिक्किम में भूस्खलन से भारी तबाही, लापता सेना के जवान का शव बरामद

5 अन्य की तलाश जारी

गंगटोक (आरएनएस)। उत्तरी सिक्किम के छातेन में इस माह की शुरुआत में एक सैन्य शिविर में भूस्खलन के बाद लापता हुए छह जवानों में से एक का शव सोमवार को मंगन जिले में बरामद किया गया. वह एक जून से लापता था. घटना में पांच और लोग लापता बताए जा रहे हैं. पुलिस ने यह जानकारी दी. 1 जून को भारी बारिश के कारण उत्तरी सिक्किम में भीषण भूस्खलन हुआ था. भूस्खलन ने लाचेन, लाचुंग, चुंगथांग, छातेन समेत उत्तरी सिक्किम के कई स्थानों को तबाह कर दिया था. सेना और एनडीआरएफ का छातेन इलाके में बचाव अभियान जारी है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान सैनुद्दीन पीके के तौर पर हुई है.

मोदी के 11 वर्ष का कार्यकाल अभूतपूर्व विकास का युग : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए इसे 'अभूतपूर्व विकास' और 'युगांतरकारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन' का युग बताया है।

राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण ने देश को दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में आत्मविश्वास के साथ खड़ा होने में सक्षम बनाया है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, भारत आज अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की हर कीमत पर रक्षा करने के संकल्प पर पूरी तरह से सुसज्जित, आश्वस्त और अडिग है।

रक्षा मंत्री ने पिछले दशक के व्यापक प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा, सेवा के ये 11 वर्ष हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के सपनों को साकार करने की कहानी कह रहे हैं, जिन्होंने एक ऐसे लोकतंत्र की कल्पना की थी जो न केवल राजनीतिक हो, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रकृति का भी हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व में भारत न केवल प्रगति कर रहा है, बल्कि राष्ट्रों के समुदाय में अपना उचित स्थान प्राप्त करने के लिए आगे बढ़ रहा है। श्री सिंह ने इस परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने वाले प्रत्येक नागरिक को भी बधाई दी और कहा, हम एक साथ आगे बढ़ रहे हैं-मजबूत, गौरवान्वित और एकजुट। मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों को गिनाते हुए रक्षा मंत्री ने उन पहलों की ओर इशारा किया जिन्होंने नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और उद्यमियों के लिए व्यापार सुगमता को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण से लेकर किसानों के कल्याण तक, प्रशासन ने समाज के हर वर्ग के उत्थान और मजबूती के लिए केंद्रित और प्रतिबद्ध प्रयास के साथ काम किया है।

दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज 'एमएससी इरिना' पहुंचा भारत

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज एमएससी इरिना एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में सोमवार को अदाणी ग्रुप के विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह पर पहुंच गया है। इस बंदरगाह पर यह जहाज मंगलवार तक रहेगा। एमएससी इरिना का इस बंदरगाह पर पहुंचना अल्ट्रा-लार्ज कंटेनर वेसल्स (यूएलसीवी) को संभालने में विझिंजम की क्षमताओं को उजागर करता है। एमएससी इरिना टीईयू (20-फुट इक्विवेलेंट यूनिट) क्षमता के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा कंटेनर जहाज है, जो 24,346 टीईयू की क्षमता का दावा करता है। इस क्षमता के साथ एमएससी इरिना ग्लोबल शिपिंग में एक बड़ा प्लेयर बनता है। यह जहाज 399.9 मीटर की लंबाई और 61.3 मीटर की चौड़ाई के साथ एक स्टैंडर्ड फीफा-डिज़ाइन किए गए फुटबॉल मैदान से लगभग चार गुना लंबा है। एशिया और यूरोप के बीच बड़ी मात्रा में कंटेनरों के परिवहन की सुविधा के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया एमएससी इरिना व्यापार मार्गों और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के 56 मरीज, 14 मरीज हुए स्वस्थ

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ में अब तक 56 कोविड के मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 14 रिकवर हो चुके हैं। वहीं 41 अब भी एक्टिव हैं। पिछले 24 घंटे की बात करें कोविड के 3 नए मरीज मिले हैं। इनमें दो रायपुर और एक दुर्ग के हैं। इससे पहले शुक्रवार को रायपुर में कोविड के एक ही दिन में 11, बिलासपुर में 5 और बालोद में 1 कुल 17 मरीज मिले थे।

नया वैरिएंट आने के बाद से ये एक दिन में सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके बाद पूरा प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर आ गया था। पिछले 2 दिनों से शासकीय जिला अस्पतालों और दूसरे हेल्थ सेंटर्स में टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल सभी तरह के स्टाफ की ट्रेनिंग चल रही है। सैंपल कलेक्शन से लेकर कोविड मरीज के इलाज तक की ट्रेनिंग स्टाफ को दी जा रही है।

साथ ही एमरजेंसी सिच्युएशन से निपटने के लिए मॉकड्रिल भी कराई गई है। हालांकि पिछले 48 घंटे में केवल 6 नए मरीज ही मिले हैं। इनमें तीन रायपुर और तीन दुर्ग के हैं।

पीएम नरेन्द्र मोदी के 11 साल को सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना चाहिए : जेपी नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए सरकार के 11 साल की खूबियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में हम %सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास% के मंत्र को लेकर आगे बढ़े और इसमें कामयाब भी हुए।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जेपी नड्डा ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में 11 साल तक विकसित भारत और अमृत काल के लिए जो काम किया गया, उसे सुनहरे अक्षरों में लिखा जाना चाहिए। क्योंकि किए गए काम अकल्पनीय और अद्वितीय हैं और हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि पीएम मोदी ने देश की राजनीति की संस्कृति को किस तरह से बदला है।

जेपी नड्डा ने पूर्व की सरकारों की खामियां गिनाते हुए कहा, 2014 से पहले पिछली सरकार भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से भरी हुई थी। लेकिन 2014 के बाद पीएम मोदी के नेतृत्व में यह भावना बदल गई। अब लोग गर्व से कहते हैं, मोदी है तो मुमकिन है। हम गरीबी हटाओ का नारा लेकर नहीं चले हैं, हमने गरीब कल्याण करके दिखाया है। आंकड़े इस बात का सबूत हैं। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। इसी तरीके से अति गरीबी में 80 प्रतिशत की कमी आई है।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार उपलब्धियां इतनी ज्यादा हैं कि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसे समेटना नामुमकिन है। बोले, 11 साल के शासन का पूरा लेखा-जोखा पेश करना मुश्किल है, लेकिन हमारी सरकार ने लगातार राष्ट्रहित में साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। कुछ उदाहरण लें तो हमने अनुच्छेद 370 को हटाया और तीन तलाक को खत्म किया। हमने नया वक्फ अधिनियम बनाया और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पारित किया। हमने विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण भी सुनिश्चित किया।

मुंबई में बड़ा ट्रेन हादसा, चलती ट्रेन से गिरने से 5 लोगों की मौत

मुंबई (विश्व परिवार)। मुंबई के ठाणे स्थित मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह एक दुखद हादसा हुआ है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल की ओर जा रही एक यात्री ट्रेन से 10-12 यात्री गिर पड़े। इनमें से 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5-7 अन्य घायल हो गए।

सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई। कुछ लोगों का दावा है कि हादसा मुंबई-लखनऊ पुष्पक एक्सप्रेस ट्रेन में हुआ है। घटना की जांच जारी है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा ट्रेन में अत्यधिक भीड़ के कारण हुआ, जिसमें कई यात्री दरवाजों पर लटककर यात्रा कर रहे थे। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ था, जब ट्रेन मुंब्रा स्टेशन से गुजर रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भीड़ के दबाव और दरवाजों पर असुरक्षित तरीके से लटके यात्रियों के कारण 10-12 यात्री चलती ट्रेन से गिर गए। इनमें से 5 की मौत हो गई, जबकि अन्य का उपचार जारी है।

सेंट्रल रेलवे ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ठाणे के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर सीएसएमटी की ओर जा रहे कुछ यात्री चलती ट्रेन से गिर गए। दुर्घटना का कारण ट्रेन में अत्यधिक भीड़ माना जा रहा है।

राष्ट्रीय आम महोत्सव से उन्नत आम उत्पादन हेतु प्रेरित होंगे छत्तीसगढ़ के किसान : रामविचार नेताम

कृषि विश्वविद्यालय में चार दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का हुआ समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आज यहा समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्य शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम थे। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री टंकराम वर्मा, महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष श्री चन्द्रहास चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अध्यक्ष श्री राम प्रताप सिंह तथा राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री आर.एस. विश्वकर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने की। इस अवसर पर राष्ट्रीय आम महोत्सव में लगाई गई आम प्रदर्शनी के अंतर्गत विभिन्न आम प्रजातियों में पुरस्कार प्राप्त करने वाले आम उत्पादक किसानों तथा संस्थाओं को पुरस्कृत किया गया। छत्तीसगढ़ में आम उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रगतिशील कृषकों को भी सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय आम महोत्सव का समापन करते हुए कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित इस वृहद एवं भव्य राष्ट्रीय आम महोत्सव में छत्तीसगढ़ के किसानों एवं आम नागरिकों को 1600 से अधिक आमों को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय तथा राज्य शासन का संचालनालय उद्यानिकी धन्यवाद का पात्र है। उन्होंने कहा कि यहां आकर अनेक नई-नई किस्मों को देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिससे छत्तीसगढ़ के किसानों को भी आम की नई-नई उन्नत एवं विभिन्न गुणों से परिपूर्ण प्रजातियों के बारे में जानने का मौका मिला। इसके परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ के किसान आम की नई प्रजातियों के उत्पादन के लिए प्रेरित होंगे। श्री नेताम ने आम की नवीन उन्नत किस्मों के विकास के लिए देश के कृषि वैज्ञानिकों को बधाई दी। श्री नेताम ने कहा कि इस तरह के आयोजन राजधानी रायपुर के अलावा बस्तर एवं सरगुजा जैसे आदिवासी बहुल संभागों में भी आयोजित किये जाने चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने चिंतन शिविर 2.0 के दूसरे दिन योग से की दिन की शुरुआत

मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ विभिन्न आसनों का किया अभ्यास

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) नवा रायपुर परिसर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ योगासन कर चिंतन शिविर 2.0 के दूसरे दिन की शुरुआत की। उन्होंने योग को स्वस्थ जीवनशैली का आधार बताते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है और हमें प्रकृति के अधिक समीप लाता है। यह योगाभ्यास न केवल एक प्रेरणादायक पहल थी, बल्कि प्रदेश में स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का भी सशक्त संदेश था।

मुख्यमंत्री श्री साय के साथ इस योग सत्र में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा तथा आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. रामकुमार काकानी भी शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

निज़ामुद्दीन-रायगढ़-निज़ामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस का दतिया स्टेशन में अस्थायी ठहराव की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने वाली गाड़ी संख्या 12410/12409 निज़ामुद्दीन-रायगढ़-निज़ामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस का 02 मिनट का अस्थायी ठहराव उत्तर मध्य रेलवे के दतिया स्टेशन में दिया जा रहा है। यह सुविधा दिनांक 10 जून 2025 से निज़ामुद्दीन से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12410 निज़ामुद्दीन-रायगढ़ एवं दिनाँक 11 जून 2025 से रायगढ़ से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 12409 रायगढ़-निज़ामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस से लागू होगी जो आगामी 06 महीने तक रहेगी। गाड़ी संख्या 12410 निज़ामुद्दीन-रायगढ़ गोंडवाना एक्सप्रेस, दतिया स्टेशन 20.20 बजे पहुंचेगी तथा 20.22 बजे रवाना होगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12409 रायगढ़-निज़ामुद्दीन गोंडवाना एक्सप्रेस, दतिया स्टेशन 00.01 बजे पहुंचेगी तथा 00.03 बजे रवाना होगी।

युद्ध गति से काम करके अवंती बाई चौक पर प्रमुख राइजिंग पाइप लाइन का संधारण कर 5000 घरों में पानी पहुंचाया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। अवंती बाई चौक के समीप फरीदनगर टंकी से संयोजित 300 डाया dia प्रमुख राइजिंग पाइप लाइन गुजरती है। इसके माध्यम से फरीद नगर एवं उससे लगे हुए क्षेत्र में नियमित पानी सप्लाई किया जाता है। दो दिनों में लगभग 5000 घरों में जलापूर्ति बाधित थी। दो से तीन जगहों पर लीकेज था, उसे ठीक कराया गया, फिर भी सप्लाई में समस्या आ रही थी। उसे निगम के अभियंताओं द्वारा गहनता के साथ पता किया गया, तो पता चला कि अवंती बाई चौक के पास से जो राइजिंग पाइपलाइन गुजरती है वह पंचर हो गयी है। इसके कारण पानी सप्लाई 5000 घरों में बाधित हो रहा था। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निर्देश दिया कि गर्मी को देखते हुए बिना देर किए काम शुरू किया जाए। प्राप्त आदेशानुसार उपअभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा अपनी टीम को लेकर युद्ध स्तर पर कार्य करवाए। जिसका नतीजा यह रहा कि पाइप लाइन ठीक हो गया है। पहले पानी की टंकी भरी हुई थी, उसके माध्यम से 12 बजे तक जलापूर्ति सुविधा सुचारू रूप से बहाल की गई।

महापौर सिन्हा की दो टूक- ठेकेदार गुणवत्ता से कार्य करें अन्यथा नहीं होगा भुगतान

रिसाली महापौर का औचक निरीक्षण

रिसाली (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रिसाली की महापौर शशि सिन्हा ने विजिट के दौरान ठेकेदारों को दो टूक कहा है कि खराब गुणवत्ता वाले कार्य पर निगम भुगतान नहीं करेगा। दरअसल वे निगम क्षेत्र में निर्माणधीन कार्य का निरीक्षण लगातार कर रहे है। इस दौरान उन्होंने निगम क्षेत्र में बनने वाले रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को भी देखा।

महापौर शशि सिन्हा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि खराब गुणवत्ता वाले कार्यों की फाइल को आगे न बढ़ाए। जांच में प्रथम, द्वितीय किस्त जारी करने पर सीधे अधिकारी के खिलाफ गुणदोष के आधार पर कार्यवाही करने उच्च अधिकारियों को पत्र प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम निर्माण कार्य कई जगह पर चल रहा है। इस कार्य को अधिकारी सूक्ष्मता से देखे। महापौर शशि ने स्थल चयन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दी। उन्होंने महापौर परिषद के सदस्य जहीर अब्बास, संजू नेताम, अनिल देशमुख के साथ वार्ड 17 शिव पारा, वार्ड 19 विजय चौक, वार्ड 20 शंकर पारा, वार्ड 26 अवधपुरी में निर्माणधीन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निरीक्षण की।

300 चयनित स्थानों में 85 पर काम आरंभ- निगम क्षेत्र में भूमिगत जल स्त्रोत को बढ़ाने और बारिश के पानी को सहेजने लगभग 300 स्थानों का चयन रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने किया गया है। उक्त कार्य अनुराग शर्मा और मेसर्स रविन्द्र भगत द्वारा किया जा रहा है। दोनो ही एजेंसी अलग-अलग क्षेत्रों में कुल 85 चिन्हित स्थानों पर कार्य आरंभ किया है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित 11 वर्ष संकल्प से सिद्धि की जीवंत मिसाल : बोहरा

पंडरिया (विश्व परिवार)। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने 9 जून को 11 साल पूर्ण कर लिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके 11 साल के कार्यकाल में देशवासियों की जिंदगी आसान हुई है। कई बड़े व ऐतिहासिक फैसले, वैश्विक प्रतिनिधित्व, देश की सुरक्षा में ऐतिहासिक उपलब्धियां और देश की प्रगति के साथ ही जनाकांक्षाओं को उन्होंने पूरा करते हुए हमेशा राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे। उनके कुशल नीतियों एवं योजनाओं से ही आज देश के हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट दिख रहा है वहीं आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरी है।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को बधाई देते हुए कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 11 सफलतम वर्ष पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। यह कालखंड एक राष्ट्रपुरुष की संकल्प, साधना और राष्ट्रभक्ति से गढ़ी गई उस यात्रा की कहानी है, जिसमें भारत ने नारी सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, कृषक उत्थान, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए शिखर छुए हैं। 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से प्रेरित यह अमृतकाल, भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पड़ाव है। उन्होंने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का सफल नेतृत्व करना केवल संकल्प, साधना और राष्ट्रभक्ति से ही संभव है। अमृतकाल के सारथी मा. प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में 'नए भारत' ने नारी सशक्तिकरण, आर्थिक विकास, कृषक उत्थान, विरासत के संरक्षण, विकास की गति, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के निरंतर नए आयाम स्पर्श किए हैं। आज उनके कुशल नीतियों का ही परिणाम है कि हमारा देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरी है। आर्थिक क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष तक, भारत हर क्षेत्र में महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। भावना बोहरा ने 11 वर्षों में देश में हुए ऐतिहासिक परिवर्तन आए हैं वहीं जनहितैषी योजनाओं से आमजनों के जीवन स्तर में सुधार आया है।

उपभोक्ता आयोग ने बीमा राशि देने आदेश किया पारित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। बीमा कम्पनी द्वारा बीमा धारक की मृत्यु होने के पश्चात मृत्यु बीमा की राशि नहीं देने के मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार ने बीमा कम्पनी को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए मृत्यु बीमा की राशि 200000 रुपये व ब्याज सहित एवं अन्य व्यय प्रदाय किये जाने का आदेश पारित किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आवेदक ईश्वरी प्रसाद साहू के पुत्र टिकेश्वर प्रसाद साहू का बैंक में बचत खाता था जिसमें प्रधानमंत्री बीमा योजना के अन्तर्गत 12 रुपये के सालाना प्रीमियम में 200000 रुपये का बीमा कराया गया था। आवेदक के पुत्र की मृत्यु तालाब की पानी में डूबने से हुई थी। दावा प्रस्तुत करने पर बीमा कम्पनी ने मिरगी रोग के कारण दौरा मृत्यु होने के कारण दावा निरस्त कर दिया।जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बलौदाबाजार में परिवाद प्रस्तुत करने पर आयोग के अध्यक्ष छमेश्वर लाल पटेल, सदस्य हरजीत सिंह चावल एवं शारदा सोनी ने उभय पक्ष की सुनवाई पश्चात् इस मामले में चिकित्सक तथा अन्य साक्ष्य से यह प्रमाणित नहीं है कि मृतक को घटना के समय दौरा आया था और उसके परिणामस्वरूप वह डूब गया। चिकित्सक की राय के अनुसार दुर्घटनाजन्य मृत्यु जल में डूबने से हुई। अतः अनावेदक को अनुचित व्यापार व्यवहार एवं सेवा में कमी का दोषी मानते हुए दि ओरिएण्टल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड़ रायपुर को मृत्यु बीमा की राशि 200000 रुपये एव आवेदन दिनांक से आदेश दिनांक तक 6 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज एवं मानसिक तथा आर्थिक क्षति के रूप में 10000 रुपये एवं वाद व्यय के रूप में 2, 000 रुपये रूपये आदेश दिनांक से 45 दिन के भीतर प्रदाय किये जाने एवं 45 दिन के भीतर अदा नहीं किये जाने पर आदेश दिनांक से 45 दिन के पश्चात से अदायगी दिनांक तक 9 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज प्रदाय किये जाने का निर्णय सुनाया।

एनआईटी रायपुर के कंटीन्यूइंग एजुकेशन सेल द्वारा आयोजित एप्लाइड डेटा एनालिटिक्सः ए प्रैक्टिकल अप्रोच का समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने 9 जून 2025 को एनआईटी रायपुर के कंटीन्यूइंग एजुकेशन सेल द्वारा आयोजित एप्लाइड डेटा एनालिटिक्सः ए प्रैक्टिकल अप्रोच पर अपने 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम का समापन किया। यह पाठ्यक्रम 26 मई 2025 से 09 जून 2025 तक आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा विभिन्न डेटा एनालिटिक्स तकनीकों जैसे डेटा प्री-प्रोसेसिंग, प्रेडिक्टिव एनालिसिस, डेटा स्टैटिस्टिक्स के फंडामेंटल, मशीन लर्निंग तकनीक और डेटा विज़ुअलाइज़ेशन पर व्याख्यान दिए गए, जिसमें पायथन और आर जैसे उभरते टूल्स की मदद से डेटा-संचालित निर्णय समर्थन प्रणाली के निर्माण के लिए आवश्यक गणितीय आधार के साथ-साथ व्यावहारिक सत्र भी शामिल थे। 9 जून 2025 को समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ एन.वी. रमना राव मुख्य अतिथि थे समापन समारोह में मुख्य अतिथि ने डेटा विश्लेषण के महत्व और विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों पर प्रकाश डाला। डॉ मृदु साहू ने पूरे कार्यक्रम की प्रस्तुति दी और डॉ गोविंद पी गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस कोर्स में 6 संकायों, अन्य संस्थानों के 46 छात्रों और एनआईटी रायपुर के 31 छात्रों ने भाग लिया। आयोजन समिति द्वारा 12 सर्वश्रेष्ठ प्रोजेक्ट प्रस्तुतियों को पुरस्कृत किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./21240/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 07-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21240
वार्ड का नाम- 34 - लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328M00137** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. SAROJ BEN SOLANKI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O CHANDRAKANT BHAI SOLANKI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. RAKHI GUPTA** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SHYAM GUPTA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./21274/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 07-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21274
वार्ड का नाम- 34 - लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR332H0089A** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KANCHAN DHANWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SUNIL KUMAR DHANWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. VAISHALI PREMCHANDANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O JITENDRA PREMCHANDANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./21112/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 07-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21112
वार्ड का नाम- 11 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 11 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330C00084** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOPAL SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LALAJI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. RAMHIN BAI SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LATE GOPAL RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./20524/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 07-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20524
वार्ड का नाम- 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331H00015** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SMT. KAMALA TEKAM** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O LATE VIJAY SINGH TEKAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHARDA PRATAP SINGH TEKAM** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE. VIJAY SINGH TEKAM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./20063/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 04-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20063
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR739F00078** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AVINASH AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. GIRISH KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती मधु बाई अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **पति-आत्मानंद अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./21424/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 09-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21424
वार्ड का नाम- 28 - शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235F00027** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **KISHOR KUMAR KOTHARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MOHAN LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. HARPREET KAUR BHATIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O SATBIR SINGH BHATIYA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./21280/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 06-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21280
वार्ड का नाम- 14 - रमण मंदिर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 14 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR221B00128** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **JAYANTI BHAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O CHHAGAN LAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. KALAVANTI BEN SONI 2. ADARSH SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. W/O JAYANTI LAL SONI 2. S/O JAYANTI LAL SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./21347/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 06-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21347
वार्ड का नाम- 27 - इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737A00246** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SONIA AHUJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O RAVI AHUJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. ATUL SHARMA 2. SMT. SHASHI AWASTHI 3. POOJA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. S/O LATE BHUWANESHWAR PRASAD SHARMA 2. W/O ASHISH AWASTHI, 3. S/O LATE BHUWANESHWAR PRASAD SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21466/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 09-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21466
वार्ड का नाम-44-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758D00147** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURESH AGARWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LALCHAND AGARWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अलका शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **योगेश शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21471/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 09-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21471
वार्ड का नाम-44-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758B00206** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAJRA BAI TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PREMLAL TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रितिक शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. संतोष शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय दस्तावेज, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, पारिवारिक व्यवस्थानामा व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21472/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 09-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21472
वार्ड का नाम-44-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758B0206A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAJRA BAI TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PREMLAL TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अंकित शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. अशोक शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय दस्तावेज, सहमति पत्र, पारिवारिक व्यवस्थानामा, मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21474/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 09-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21474
वार्ड का नाम-44-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758B0206B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAJRA BAI TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PREMLAL TIWARI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ब्यास नारायण शर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. विनोद शर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, परिचय दस्तावेज, सहमति पत्र, पारिवारिक व्यवस्थानामा, मृत्यु प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./21475/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2025
रायपुर, दिनांक 09-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21475
वार्ड का नाम-45-स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 45 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR650J00061** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHANDRA PRAKASH VYAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MR. LATE. BELLABH VYAS** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अमित राठौर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मुकुंद राठौर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरुण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./20990/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 09-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20990
वार्ड का नाम-34- लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड-34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR328B00013** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANUP KUMAR DOKANIA, AMIT KUMAR DOKANIA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/D/W/O ASHOK KUMAR DOKANIA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMIT KUMAR DOKANIA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O ASHOK KUMAR DOKANIA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./21275/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 07-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21275
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331C00007** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **E.B. RAMAIAH** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O E.BOJANNA** केनाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. EMANY MANGA TAYARU 2. EMANY VENKATA RAMANA 3. EMANY KALYAN CHAKRAVARTY 4. SHISTLA MEENAKSHI** पिता/पति श्री/श्रीमती **1. W/O LT. EMANY BUCHI RAMAIAH 2. S/O LT. EMANY BUCHI RAMAIAH 3. S/O LT. EMANY BUCHI RAMAIAH 4. S/O LT. EMANY BUCHI RAMAIAH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./21270/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 07-06-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21270
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331D00080** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SATISH TATIYA S/O DHANRAJ TATIYA, SMT. VINITA JAIN W/O SATISH TATIYA** पिता/पति श्री/श्रीमती **N/A SATISH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SOUBHAGYA RANJAN BISWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O GOURANGA CHANDRA BISWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 10 जून 2025

विकसित कृषि संकल्प अभियान में शामिल हुए रामविचार नेताम

रामानुजगंज। केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में व्यापक रूप से कृषि विकसित संकल्प अभियान 29 मई से 12 जून 2025 तक चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य किसानों को वैज्ञानिक खेती, सरकार की प्रमुख योजनाएं, उन्नत कृषि यंत्रों का उपयोग, प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना है। इसी कड़ी में विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम डिंडो में विकसित कृषि संकल्प अभियान में रामानुजगंज विधानसभा के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों में फसलों का उत्पादन बढ़ाने लगातार सतत प्रयासरत है और विकसित कृषि संकल्प अभियान हमारे क्षेत्र के किसानों के लिए लाभदायक होगा। इस अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार के कृषि वैज्ञानिक किसानों से सीधा संवाद कर रहे हैं उन्नत और संतुलित कृषि की जानकारी किसानों को दे रहे हैं। यह अभियान किसानों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कृषि में विविधिकरण को बढ़ावा देने वाली तकनीकों प्राकृतिक खेती, कृषि में ड्रोन का उपयोग, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन इत्यादि, प्रमुख विषयों पर कृषकों को जानकारी देने के लिए यह अभियान बहुत उपयोगी साबित होगा। उन्होंने उपस्थित किसानों को बीज वितरण किया। इस अवसर पर प्रशासनिक तंत्र सहित जनप्रतिनिधि गण एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

विभिन्न निर्माण कार्यों का किया भूमि पूजन एवं शिलान्यास

रामविचार नेताम ने 15 करोड़ 12 लाख रुपये के कुल 64 कार्यो का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। रामचन्द्रपुर मुख्य मार्ग से मुख्य बस्ती तक गौरव पथ निर्माण, लंबाई 1 किलोमीटर लागत 87.34 लाख रुपए एवं त्रिकुंडा मुख्य मार्ग से पुराना बाजार होते स्कूल तक गौरव पथ निर्माण कार्य लंबाई 1 किलोमीटर लागत से 87.34 लाख रुपय का भूमि पूजन किया गया। इसी प्रकार मंडी बोर्ड के द्वारा कुल 42 ग्राम पंचायतो में कुल लागत 13.37 करोड़ रुपये की राशि के कुल 62 कार्यो का शिलान्यास किया गया।

दो पुलिस टीआई को मिली एक साथ पदोन्नति

पुलिस मुख्यालय ने किया डीएसपी के पद पर पदोन्नत

सक्ती। छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस मुख्यालय ने प्रदेश के पुलिस विभाग के नगर निरीक्षक टीआई वर्ग के पुलिस अधिकारियों को डीएसपी के पद पर पदोन्नत किया है, तथा इस पदोन्नति में शक्ति जिले से पहली बार दो टीआई एक साथ डीएसपी के पद पर पदोन्नत हुए हैं, जिसमें वर्तमान में पुलिस थाना शक्ति में पदस्थ नगर निरीक्षक बृजेश कुमार तिवारी को जहां उप पुलिस अधीक्षक डीएसपी के पद पर पदोन्नत किया गया है, तो वहीं शक्ति पुलिस थाने के पूर्व में टीआई रहे एवं वर्तमान में आरक्षी केंद्र में पदस्थ विवेक शर्मा को भी उप पुलिस अधीक्षक डीएसपी के पद पर पदोन्नत किया गया है, उपरोक्त दोनों ही पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों के प्रति सजग एवं पुलिस के कार्यों में संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियो का निर्वहन करते हैं, तथा उनको मिली इस पदोन्नति पर जहां पुलिस महमेंने भी उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं तो वहीं शक्ति शहर की जनता ने भी दोनों टीआई को मिली इस पदोन्नति पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं, यह पहली बार ऐसा अवसर है जब जिले से दो नगर निरीक्षक वर्ग के पुलिस अधिकारियों को एक साथ डीएसपी के पद पर पदोन्नति मिली है।

करही महानदी में अवैध रेती उत्खनन करने वाले रेत माफियों के विरुद्ध की गई ताबड़तोड़ कार्यवाही

जांजगीर-चांपा। ग्राम करही तहसील हसौद जिला सक्ती थाना बिर्रा क्षेत्रांतर्गत के महानंदी में स्थित रेत घाट में बड़े पैमाने पर रेत के अवैध उत्खनन कर छत्तीसगढ़ राज्य के अंदर एवं बाहर के राज्यों को लगातार रेत तस्करी करने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चाम्पा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय उमेश कश्यप एवं एसडीओपी चांपा यदुमणी सिदार के कुशल मार्ग दर्शन में अवैध रेत उत्खनन के विरुद्ध कार्यवाही किया गया। जिसमें खनिज विभाग एवं बिर्रा पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा ग्राम करही महानदी रेत घाट पर दबिश देकर अवैध रेत उत्खनन में संलिप्त 01 एक नग वाल्वो कंपनी का चैन माउंटेन मशीन 02 एक नग टाटा हिटाची कंपनी का चैन माउंटेन मशीन 03 एक नग हुंडई कंपनी का चैन माउंटेन को 30.05.25 एवं 02.06.2025 को जप्त कर अवैध रेत उत्खनन रोकने हेतु शील किया गया था। रेत माफियों के द्वारा जप्तसुदा चैन माउंटेन मशीनों का शील को तोड़कर पुनः बड़े पैमाने में चैन माउंटेन मशीनों को बेखौफ होकर महानदी रेत घाट में पुनः लगातार अवैध रेत उत्खनन कर छत्तीसगढ़ एवं दूसरे राज्यों में बड़े पैमाने पर रेत की अवैध तस्करी कर शासन को करोड़ की क्षति पहुंचाया जा रहा था कि उक्त रेत माफियाओं के विरूद्ध अपराध धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया, प्रकरण अभी विवेचनाधीन है। उक्त कार्यवाही में गोविन्द राम, शिव सिंह प्रभारी खनिज अधिकारी जिला सक्ती, उपनिरीक्षक कृष्णपाल सिंह थाना प्रभारी बिर्रा, आरक्षक लक्ष्मीनारायण कश्यप, दीपक तिवारी, रामसाय साहू एवं नगर सैनिक विश्वनाथ राठौर, समीर राठौर, महेश्वर तिवारी, दिलीप राठौर, प्रवीण तिवारी का विशेष योगदान रहा।

शहर में खराब स्ट्रीट लाइटों को बदलने की मांग, नेता प्रतिपक्ष सहित पार्षदों ने सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

चांपा। नगर पालिका परिषद चांपा क्षेत्र की गलियों और सड़कों पर खराब स्ट्रीट लाइटों को लेकर अब पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है। नेता प्रतिपक्ष हरिश पाण्डेय के नेतृत्व में कई वार्डो के पार्षदों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है, जिसमें नगर में लगे खराब या बंद स्ट्रीट लाइटों को जल्द बदलने की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि नगर के कई मुख्य सड़कों और वार्डो में लगी लाइटें खराब हो चुकी हैं, जिनकी वजह से रात्रि के समय अंधेरा छा जाता है। इससे आम लोगों, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को आवागमन में कठिनाई होती है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। पार्षदों ने पूर्व में भी इस विषय में मौखिक निवेदन किए जाने की बात कही, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस पर नाराजगी जताते हुए पार्षदों ने नगर की सभी गलियों और सड़कों की खराब स्ट्रीट लाइटों को बदलने की तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर लगाए गए पेड़

चांपा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष पर मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जोन-4 अमर सुल्तानिया के मार्गदर्शन एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत गांधी के निर्देशानुसार उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष आकाश सिंघानिया एवं जागृति शाखा की अध्यक्ष पूनम अग्रवाल के नेतृत्व मे विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष पर अग्रसेन भवन नैला जांजगीर के पीछे गार्डन में 11 पेड़ लगाए गए जिन में प्रमुख रूप से आम जामुन अमरूद नींबू आवला के पेड़ प्रमुख थे उक्त कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जोन 4 अमर सुल्तानिया ने कियाअमर सुल्तानिया ने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसके अंतर्गत शाम 5:00 बजे अग्रेशन भवन के पीछे स्थित गार्डन में पेड़ लगाया गया। मैं चाहूंगा कि दोनों शाखा मिलकर इस प्रकार जनहित के कार्य को हमेशा करते रहें। वर्तमान समय में पर्यावरण को बचाने की दृष्टिकोण से पेड़ लगाना बहुत ही अनिवार्य है। हमारी दोनों शाखा का कार्यक्रम लगातार चल रहा है। जो सभी को प्रेरणा प्रदान करता है शाखा की अध्यक्ष पूनम अग्रवाल ने कहा कि हमारी शाखा द्वारा लगातार ऐसे जनहित कार्य किया जा रहा है जो समाज के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है इसी के तहत हमारे द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर पेड़ लगाने का आयोजन पुरुष एवं महिला दोनों शाखा द्वारा किया गया था उक्त कार्यक्रम में भाग लेकर दोनों शाखा के सदस्य बहुत उत्साहित हुए एवं पेड़ लगाने में सहयोग किया उसके साथ-साथ सदस्यों ने शाखा का धन्यवाद दिया। मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष आकाश सिंघानिया एवं जागृति शाखा की अध्यक्ष पूनम अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुल्तानिया का धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि आपने अपना कीमती समय निकालकर शाखा के द्वारा कराए जा रहे आयोजन पर अपना समय दिया, इसके लिए दोनों शाखा आपका धन्यवाद ज्ञापित करती है। जागृति शाखा की अध्यक्ष पूनम अग्रवाल ने दोनों शाखा के समस्त सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच एवं जागृति शाखा के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से मारवाड़ी युवा मंच से प्रांतीय सदस्य विक्रांत अग्रवाल अध्यक्ष आकाश सिंघानिया सचिव नवदीप गुप्ता निकुंज अग्रवाल आकाश अग्रवाल उपस्थित रहे। इसी प्रकार जागृति शाखा से राष्ट्रीय सदस्य प्रियंका मोदी प्रांतीय निर्देशक सुनीता मोदी नारी चेतना संयोजक शिखा अग्रवाल अध्यक्ष पूनम अग्रवाल, सचिव मनीषा अग्रवाल कोषाध्यक्ष पूनम जगनी, कल्याणी भोपालपुरिया, पिंकी शर्मा, खुशबू शर्मा, सरिता शर्मा, संतोष अग्रवाल, सपना झाझडिया, गायत्री मित्तल, अनिता बंसल सहित सदस्यगण उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी मामले में उड़ीसा निवासी एक और आरोपी गिरफ्तार

मनेन्द्रगढ़। सरगुजा रेंज में नशा विरोधी अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। खड़गवां थाना क्षेत्र में दर्ज गांजा तस्करी के मामले में उड़ीसा राज्य का एक और आरोपी नरेश दिगल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला थाना खड़गवां में दर्ज अपराध क्रमांक 93/2025, धारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट से संबंधित है। प्रारंभिक कार्यवाही में स्थानीय आरोपी सुलेश कुमार को 2 किलो 195 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया था। पूछताछ में आरोपी ने गांजा की आपूर्ति 08वीं बटालियन, पेंड्री, राजनांदगांव में पदस्थ आरक्षक क्र. 905 बुंदेलाल से संपर्क में रहते हुए उड़ीसा राज्य से मंगवाने की जानकारी दी थी। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा (आईपीएस), पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह आईपीएस और नगर पुलिस अधीक्षक चिरमिरी दीपिका मिंज के मार्गदर्शन में मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच को आगे बढ़ाया गया। आरक्षक बुंदेलाल से पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि गांजा उड़ीसा निवासी नरेश दिगल द्वारा आपूर्ति किया गया था। खड़गवां थाना और सायबर सेल की संयुक्त टीम ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर उड़ीसा राज्य के कंधमाल जिले के ग्राम कलाड़ी, थाना गुच्छापोड़ा से आरोपी नरेश दिगल (उम्र 24 वर्ष) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने गांजा को उड़ीसा से छत्तीसगढ़ लाकर आरक्षक बुंदेलाल को बेचने, मोबाइल के माध्यम से बातचीत और फोन-पे से पैसों का लेनदेन स्वीकार किया। आरोपी के विरुद्ध धारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पाये जाने पर उसे 05 जून 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। पुलिस ने इस सफलता के लिए खड़गवां थाना प्रभारी विजय सिंह, सहायक उप निरीक्षक नईम खान, आरक्षक मो. आज़ाद (174), सोनल पांडेय (116), दिनेश साहू (205), एवं सैनिक प्रमोद साहू के कार्य की सराहना की है। पुलिस प्रशासन ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि अवैध नशा तस्करी पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

छत्तीसगढ़ में साइबर ठगी पर शक्ति पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई, बैंक खातों में करोड़ों रुपए के लेनदेन का हुआ खुलासा

सक्ती। म्यूल अकाउंट धारक को गिरफ्तार कर सक्ती पुलिस ने जेल भेज दिया है, दो मामलो में कार्रवाई करते हुए मामले का पुलिस ने खुलासा किया है, एवं शक्ति जिला पुलिस ने कहा है कि साइबर ठगों पर जारी रहेगी सक्ती पुलिस की कार्यवाही, आरोपियों के खिलाफ देश भर के कई राज्यों में साइबर ठगी का अपराध दर्ज होना बताया जा रहा है, मामले में विदित हो कि भारत सरकार के समन्वय पोर्टल पर साइबर ठगी से जुड़े संदिग्ध खाते पर कार्यवाही के लिए प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक सक्ती अंकिता शर्मा के विस्तृत निर्देश व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश यादव के म्यूल खाता धारक के संदिग्ध लेनदेन पर कार्यवाही के निर्देश पर सक्ती निवासी एक युवक के पीएनबी खाते में 14 जनवरी से 30 जनवरी 2024 तक कुल 3,48,73,171, संदिग्ध रूप से लेन देन करना पाया गया है, जिस पर थाना सकती में उक्त युवक के विरुद्ध धारा 420 आईपीसी का अपराध दर्ज किया गया है, उक्त खाते का सत्यापन पीएनबी बैंक से प्राप्त दस्तावेज एवं आरोपी से उसके चालू खाता की चेक बुक और एटीएम जप्त की गई है, एवं अन्य जानकारी बैंक से प्राप्त करना शेष है, आरोपी युवक के अकाउंट के विरुद्ध देश में कुल 60 साइबर ठगी संबंधी शिकायतें और हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक और तेलंगाना में ठगी के तथा छत्तीसगढ़ के जांजगीर चाँपा में ऑनलाइन सटटा का अपराध दर्ज है, समन्वय पोर्टल के अनुसार फर्स्ट लेयर म्यूल अकाउंट होल्डर युवक की सहभागिता साइबर ठगी में पाए जाने पर आरोपी के आरोप स्वीकार करने और पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने के आधार से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में रिमाड प्रस्तुत कर जेल दाखिल किया गया है। इसी प्रकार चरौदा निवासी निखिल कर्ष जिसके पीएनबी बैंक खाते में 11 से 30 जनवरी 2024 तक कुल 5,43,62,525 संदिग्ध रूप से लेनदेन पाया गया था, जिस पर थाना सक्ती में धारा 420 आईपीसी का अपराध दर्ज किया गया, उक्त खाते के विरुद्ध देश में 66 साइबर शिकायते और पश्चिम बंगाल, बिहार और कर्नाटक में कुल 05 मामले दर्ज हैं। फर्स्ट लेयर म्यूल अकाउंट धारक निखिल कर्ष को साक्ष्य के आधार पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाड प्राप्त किया गया है। दोनों मामलो में विवेचना जारी है जिसमे अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करना शेष है, इस त्वरित कार्यवाही में साइबर सेल सक्ती तथा थाना सक्ती की टीम की सक्रिय भूमिका रही है।

हारून मेमन को सांसद प्रतिनिधि के रूप में मिली जिम्मेदारी

मनेन्द्रगढ़। कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने खनिज संसाधन विभाग का हारून मेमन को अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। हारून मेमन क्षेत्र के एक सक्रिय और समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ता हैं। वह लंबे समय से पार्टी के लिए निष्ठापूर्वक कार्य कर रहे हैं और क्षेत्रीय स्तर पर जनसमस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

इस नियुक्ति से क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। क्षेत्रवासियों और संगठन के लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

श्वेता जायसवाल बनी जिला संगठन आयुक्त गाइड

चांपा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव द्वारा जिले में स्काउटिंग गतिविधियों के बेहतर संचालन के लिए जिला मुख्य आयुक्त हितेश यादव की अनुशंसा पर जिला आयुक्त ए के भारद्वाज के प्रस्ताव पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मड़वा में पदस्थ श्वेता जायसवाल को जांजगीर चांपा जिला संगठन आयुक्त गाइड नियुक्त किया है। नए दायित्व मिलने पर श्वेता ने कहा कि जिले में गाइड सदस्यों को प्रशिक्षित करना, गाइड समूहों का विकास करना और समुदाय के साथ मिलकर कार्य करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। जिले में भारत स्काउट्स गाइड्स की गतिविधियों का बेहतर ढंग से संचालित किया जाएगा। जिला सचिव दीपक कुमार यादव ने राज्य मुख्य आयुक्त डॉ सोमनाथ यादव के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि जिले की टीम अब और सशक्त होकर काम कर पायेगी जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड डॉ धनमत महंत, संयुक्त सचिव प्रेमलता साहू ने कहा कि राज्य से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप जिले में गाइड व रेंजर की सहभागिता को बढ़ाने के लिए अच्छी टीम बनाकर अब और सक्रियता पूर्वक कार्य कर पाएंगे। डीओसी स्काउट सुरेन्द्र कुमार सोनी, डीटीसी स्काउट पुरन लाल पटेल, सहायक सचिव अनिल सिदार, हरिशंकर वर्मा, राजेंद्र कश्यप नूतन पटेल, डॉ अरुणा व्यास मिरी एडवांस गाइड कैप्टन, उमा महोबिया एडवांस रेंजर लीडर, अनुभव तिवारी मीडिया प्रभारी ने कहा कि स्काउटर गाइडर्स के मार्गदर्शन में हम सब जिले में बेहतर ढंग से स्काउटिंग को मजबूत करेंगे।

सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार का बड़ा षड्यंत्र

कांग्रेस की प्रेस वार्ता : तखतपुर की पूर्व विधायक रश्मि सिंह ने कहा- युक्तियुक्तकरण शिक्षा विरोधी एवं रोजगार विरोधी

सक्ती। छत्तीसगढ़ प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा विगत दिनों प्रदेश भर के स्कूलों के शिक्षकों के युक्ति युक्त करण कार्य को लेकर कांग्रेस इसे शिक्षा के विरोध में निर्णय बता रही है, कांग्रेस ने जहां इस आदेश के बाद तत्काल इसका विरोध करना चालू कर दिया था, तो वहीं शक्ति जिले के जिला मुख्यालय के स्थानीय शासकीय विश्राम गृह रेस्ट हाउस में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें तखतपुर की पूर्व कांग्रेस विधायक रश्मि सिंह, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष त्रिलोकचंद जायसवाल दादू, जिला कांग्रेस कमेटी शक्ति के कोषाध्यक्ष नरेश गेवाड़ीन, जिला कांग्रेस कमेटी शक्ति के प्रवक्ता एवं एडवोकेट तथा शिक्षा विभाग के नेता प्रतिपक्ष महंत के प्रतिनिधि गिरधर जायसवाल, कांग्रेस नेता पिंटू ठाकुर, वार्ड क्रमांक- 04 के पूर्व पार्षद एवम कांग्रेस नेता ईश्वर लोधी, मुकेश डेंसिल, पूर्व पार्षद पति लव सोनी सहित अनेको कांग्रेस नेता मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए तखतपुर की पूर्व विधायक रश्मि सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार का यह निर्णय शिक्षा विरोधी तथा रोजगार विरोधी है, एवं कांग्रेस पार्टी ने इस बड़े विषय को लेकर राज्य सरकार को चेताया है, एवं सरकार अगर अपने इस निर्णय को नहीं बदलेगी तो आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों एवं शिक्षा दफ्तरों में घेराव किया जाएगा तथा शिक्षा के विरोध में काम करने वाली इस सरकार की मंशा को उजागर किया जाएगा, रश्मि सिंह ने कहा कि 10463 स्कूल बंद करना शिक्षा विरोधी, रोजगार विरोधी कदम है, इससे प्रदेश में 45000 से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो जायेंगे। 10463 स्कूल सीधे तौर पर बद कर दिये गये है, नये सेटअप के नाम पर स्कूलों में शिक्षकों के न्यूनतम पदो की संख्या में कटौती करके शिक्षक के हजारों पद खत्म कर दिया गया है। रमन सरकार के दौरान भी प्रदेश में 3300 से अधिक स्कूलों को बंद किया गया था, 12000 शिक्षकों के पद को खत्म किया गया था। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में प्राइमरी स्कूलों में 21 छात्रो के बीच एक शिक्षक है, इस अनुपात को बढ़ाकर 30 छात्र प्रति शिक्षक और इसी तरह मीडिल स्कूलों में 26 छात्र प्रति शिक्षक के रेसियो को बढ़ाकर 35 छात्र प्रत्ति शिक्षक किया जा रहा है। जिससे शिक्षको के एक तिहाई पद खत्म हो जायेंगे। नये शिक्षकों की भर्तियां न करनी पड़ी इसलिए युक्तियुक्तकरण कर रही साय सरकार। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षड्यंत्र रचा है। साय सरकार के इस फैसले का सबसे बड़ा नुकसान बस्तर और सरगुजा के आदिवासी अंचलों में पढ़ने वाले बच्चों पर पड़ेगा। कांग्रेस की पूर्व विधायक रश्मि सिंह ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों की नई भर्तियां न करनी पड़े, इसलिए साय सरकार शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण कर रही है। सरकारी शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने साय सरकार ने षड्यंत्र रचा है। प्राथमिक शालाओं में पहली व दूसरी में तीन-तीन विषय एवं तीसरी, चौथी, पांचवी में चार-चार विषय के अनुसार कुल 18 विषय होते हैं, जिन्हें वर्तमान समय में तीन शिक्षकों को 40 मिनट का 6-6 कक्षा लेना होता है, अब युक्तियुक्तकरण के नए नियम के बाद दो ही शिक्षको के द्वारा 18 कक्षाओं को पढ़ाना कैसे संभव हो सकता है? मिडिल स्कूल में तीन क्लास और 6 सब्जेक्ट इस हिसाब से कुल 18 क्लास और 60 बच्चों की कुल संख्या में एचएम और उसके साथ केवल एकमात्र शिक्षक कैसे 18 क्लास ले पाएंगे? इसके अतिरिक्त मध्यान भोजन की व्यवस्था डाक का जवाब और अन्य गैर शिक्षकीय कार्यों की जिम्मेदारी भी इन्हीं पर रहेगी।

पुलिस की गस्त की खुली पोल : चांपा के गणेश मोबाइल शॉप में लाखों की चोरी, सीसीटीवी कैमरा में कैद हुए 5 चोर

चांपा। चांपा शहर के प्रमुख व व्यस्त इलाके सुभाष चौक स्थित गणेश मोबाइल दुकान में देर रात एक बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। जहां दुकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के मोबाइल फोन चोरी कर लिए गए। घटना के बाद से पूरे व्यापारिक समुदाय में हड़कंप मच गया है। इस वारदात ने पुलिस गस्त की पोल खोलकर रख दी है। जानकारी के अनुसार, जांजगीर से चांपा की ओर आने वाले रपटा मार्ग से दो बाइक पर सवार होकर पांच चोर आए और सुभाष चौक स्थित मोबाइल शॉप का शटर तोड़कर अंदर घुसे। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें चोरों की गतिविधियां साफ देखी जा सकती हैं। चोरी की यह घटना रात के लगभग 2 से 3 बजे के बीच की बताई जा रही है। चोर केवल कुछ ही मिनटों में दुकान से महंगे मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान समेट कर फरार हो गए। घटनास्थल की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वॉड को भी मौके पर बुलाया गया है, और पुलिस जांच में जुटी है।

लेकिन इस घटना ने नगर की पुलिस गश्त व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रात के समय पुलिस गश्त की निष्क्रियता को लेकर व्यापारियों में नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने प्रशासन से चांपा में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

संपादकीय

पाठय़क्रम में आमूलचूल परिवर्तन हो रहा.....

आईआईटी-दिल्ली ने छात्रों पर बोझ कम करने और उद्योग जगत की बदलती मांगों को पूरा करने के लिए बारह वर्षों के बाद अपने पाठय़क्रम में आमूलचूल परिवर्तन किया है। संस्थान के निदेशक रंगन बनर्जी ने मंगलवार को एक इंटरव्यू में कहा था, 'पाठय़क्रम में पिछली बार संशोधन 2013 में किया गया था। इस बीच, उद्योग जगत की मांग तेजी से बदल रही है..एआई एक नया उभार है, और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इस सुधार की कवायद 2022 में शुरू हुई थी। पिछले कुछ वर्षों में संस्थान ने हितधारकों से व्यापक प्रतिक्रिया ली है, और उनकी मांग और जरूरत के अनुसार जरूरी बन पड़े बदलाव पाठय़क्रम में किए हैं। पाठय़क्रम को ही कम नहीं किया गया है, बल्कि कक्षा का आकार कम करने का फैसला भी किया गया है। पहले दो सेमेस्टर के लिए कक्षा का आकार अब 200 की बजाय 150 होगा ताकि छात्र पर अधिक ध्यान सुनिश्चित किया जा सके। कहा जा सकता है कि आईआईटी का पाठय़क्रम संबंधी फैसला दूरगामी परिणाम हासिल करने की दृष्टि से किया गया है। देश में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। इससे पूर्व नई शिक्षा नीति लागू की जा चुकी है और अब देश के एक प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान का यह फैसला क्रांतिकारी पर्वितन की दिशा में उठाया गया कदम करार दिया जा सकता है। वैसे भी एआई और प्रोग्रामिंग जैसे पाठय़क्रमों का शिक्षण-प्रशिक्षण जरूरी बन गया है। जरूरी है कि जटिलताएं शिक्षण-प्रशिक्षण में खासी अवरोध खड़े करती हैं। उच्च शिक्षा और खास तौर पर प्रतियोगी शिक्षण-प्रशिक्षण में विद्यार्थियों पर अनावयक तनाव रहता है, और तनाव इस कदर हावी हो जाता है कि आये दिन छात्रों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें आती रहती हैं। यदि पाठय़क्रम का बोझ बनिस्बत कम हो और कक्षा की छात्र स्ट्रेंथ ज्यादा न हो तो पढ़ाई-लिखाई के लिए परिणामोन्मुख माहौल तैयार हो सकता है। हालांकि आईआईटी-दिल्ली ने बारह साल बाद पाठय़क्रम में बदलाव किया है, लेकिन बदलते समय के साथ ताल मिलाए रखने के लिए यह जरूरी कवायद है। तनावरहित शिक्षण-प्रशिक्षण हो तो न केवल उच्च शिक्षा का उद्देश्य पूरा होता है, बल्कि उच्च शिक्षा अपनी उपयोगिता भी साबित करती है। पाठय़क्रम में कठिनता को कम करने का फैसला वास्तव में सराहनीय है।

लाल आतंक के गढ़ में लहरा रहा तिरंगा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। चार दशक से ज्यादा समय तक नक्सलवाद का शिकार रहे छत्तीसगढ़ का बस्तर जिले को अब वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) जिले की सूची से बाहर कर दिया गया है। अपने आप में ये बड़ी खबर है। दरअसल मोदी सरकार का लक्ष्य है कि मार्च 2026 तक भारत पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो जाए। गृह मंत्री अमित शाह भी कई बार सार्वजनिक मंच से इस बात को दोहरा चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं। नक्सलवाद शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से हुई है। इसकी शुरुआत स्थानीय जमींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जिन्होंने भूमि विवाद को लेकर एक किसान की पिटाई की थी। यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत के छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया। वामपंथी उग्रवादियों (एलडब्ल्यूई) को दुनिया भर में माओवादी और भारत में नक्सलवादी के नाम से जाना जाता है। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना की वकालत करते हैं। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद प्रभावित माना जाता है। देश में भाजपा सरकार बनने के बाद 2015 में नक्सलवाद के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की नीति बनाई गई। तत्कालीन गृह

मंत्री राजनाथ सिंह ने 8 सूत्रीय समाधान एक्शन प्लान बनाया। इसमें नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई और नक्सली इलाकों में विकास के काम एक साथ किए गए। नक्सलियों के खिलाफ राज्य सरकारों के विशेष बल, केंद्रीय सुरक्षा बलों, पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की। इससे नक्सली घटनाओं में जबरदस्त कमी आयी। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जिसे भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती कहा था, वही नक्सलवाद अब खत्म होता दिख रहा है। नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक रेड कॉरिडोर स्थापित करने की योजना बनाई थी। 2013 में लगभग 126 जिलों में नक्सली सक्रिय थे। वर्तमान में नक्सलवाद से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटकर 6 हो गई। इनमें छत्तीसगढ़ के चार जिले- बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा, झारखंड का एक जिला- पश्चिमी सिंहभूम और महाराष्ट्र का एक जिला- गढ़चिरौली शामिल है। वर्ष 2025 में सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में अब तक 287 नक्सली मारे जा चुके हैं। वहीं 865 ने समर्पण किया है और 830 गिरफ्तार हुए हैं। गत 21 मई को सुरक्षाबलों ने अबूझमाड़ में डेढ़ करोड़ के इनामी नंबला केशव उर्फ बसवराज को मार गिराया था। वह तीन दशक से सक्रिय था। इसे नक्सलियों का हाफिज सईद भी कहा जाता है। नक्सलियों के सरदार बसवा राजू के ढेर होने के बाद माओवादियों का हौसला पस्त हो गया है। इस बड़े एनकाउंटर के बाद दक्षिण बस्तर डिवीजन में 4 हार्डकोर नक्सलियों सहित 18 माओवादियों ने सरेंडर किया था। इसी तरह बीजापुर में 32 और तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने सरेंडर किया था। बासव राजू की मौत के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर लिखा था कि महासचिव स्तर के बड़े नक्सली नेता को मारा गया है। इस कामयाबी को हासिल करने वाला 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' भी सुर्खियों में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज़ किया जा चुका है। वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई हैं। इसी प्रकार, सुरक्षाबलों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है। वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 ज़िले नक्सल प्रभावित थे, लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं। नक्सली हिंसा में 2010 में 720 नागरिक मारे गए। 2024 में मरने वालों की संख्या घटकर 131 हो गई। नक्सली हिंसा में 2010 में 1005 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। 2024 में 150 नागरिक और सुरक्षा बल मारे गए। यानि कि मरने वालों की संख्या में 85 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। नक्सली आर्थिक ढांचे जैसे कि रेलवे प्रॉपर्टी, पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर की इकाइयों, टेलीफोन एक्सचेंज, मोबाइल टॉवर, सड़क, स्कूल को निशाना बनाते रहे हैं। पर पिछले कुछ साल से इन घटनाओं में कमी आई है। 2010 में हमले की ऐसे 365 मामले थे, जो 2024 में घटकर 25 रह गए। पिछले एक दशक में मिली सफलता का श्रेय सुरक्षा रणनीति के साथ ही विकास योजनाओं में आई तेजी को भी जाता है। सरकार ने लक्षित विकास योजनाएं चलाईं, जिनसे लोगों का भरोसा दोबारा जीता जा सका। सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी बुनियादी सुविधाओं में काफी सुधार हुआ है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के कामों ने स्थानीय लोगों के दिलों में जगह बनाई है। वहीं, 'रोशनी योजना' ने आदिवासी युवाओं को कौशल विकास और रोजगार प्राप्त करने में मदद की है। केंद्र सरकार ने साफ कर दिया है कि वह उन मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के दबाव में नहीं आएगी, जो बंदूक उठाने वाले माओवादी उग्रवादियों का समर्थन करते हैं। पिछले एक दशक से सरकार ने माओवाद के खिलाफ एक मजबूत और बहुआयामी रणनीति अपनाई है, जो अब काफी असरदार साबित हो रही है। गृह मंत्रालय की 2017 में शुरू की गई 'समाधान' रणनीति ने जमीन पर बड़ा फर्क डाला है। इसमें सुरक्षा संबंधी कार्ययोजना के साथ-साथ विकास से जुड़ी पहल भी शामिल है।

नक्सलियों के खिलाफ अभियान मोदी सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का प्रतीक है। इस से पहले कोई सरकार ऐसी इच्छाशक्ति दिखा नहीं पाई। ध्यान इस बात का रखना होगा कि नक्सलवाद फिर सिर न उठा पाए, इसके लिए प्रभावित इलाकों में अगला चरण लोकोन्मुखी सरकार, भूमि अधिकार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और आर्थिक उत्थान पर फोकस होना चाहिए। जमीनी लड़ाई में जीत केवल आधी सफलता है, अगला फोकस नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने पर होना चाहिए।

आलेख

पशु पक्षी, वनस्पति,जल,जीव, मानव साम्यता के लिए बनो का संरक्षण आवश्यक

अजय दीक्षित

हैदराबाद की एक केंद्रीय विश्वविद्यालय में बड़े जंगलों से संरक्षित भूमि का व्यावसायिक हितों पेड़ो का काटना शुरू हुआ तो केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने स्वविवेक से आंदोलन शुरू कर दिया। मामला सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर पहुंचा तो सर्वोच्च न्यायालय ने पहले रोक लगाई फिर स्थाई रूप से पेड़ों की कटाई को अवैध ठहरा दिया। ब्राजील में पूरे देश में पेड़ो की कटाई पर नियमित रोक है ।इसी प्रकार यूरोपीय देशों ने भी प्रतिबंध लगा रखे हैं लेकिन भारत में बनो के संरक्षण अधिनियम लचीला है क्योंकि हम बढ़ती जनसंख्या के दबाव में सड़क परियोजना, बांध निर्माण, संस्थाओं की इमारतों, बढ़ते कंक्रीट के जंगलों , निजी आवासीय योजनाओं को बनने से रोक नहीं पा रहे हैं। हालांकि भारत में तीव्र विकास को अभी 35 साल ही हुए हैं। फिर भी भारत में 835000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर बन आच्छादित हैं।यह अकड़ा कुल भारत भूमि 3287235 वर्ग किलोमीटर का 25 फीसदी से अधिक है।विश्व में रूस में सर्वाधिक 800 मिलियन वर्ग किलोमीटर भूमि में बन है जो उसकी कुल भूमि का 52 फीसदी है। भारत में दो तरह के बन है आरक्षित और संरक्षित। संरक्षित बनो में निर्माण के लिए राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण से स्वीकृति लेनी पड़ती है। आरक्षित बनो के मामले में राज्य सरकार सक्षम है। बताया जाता है कि भारत सरकार के आंकड़े कहते हैं कि बन 0.70 प्रतिशत की गति से बढ़ रहे हैं। सरकार और एनजीओ ने मिलकर सामाजिक बानगी, डीप फोरेस्टेशन आदि कार्यक्रम बन बढ़ाने के लिए चला रखे हैं लेकिन अवैध बन माफिया कटाई भी खूब कर रहा है। आज अंतरास्ट्रीय पर्यावरण दिवस है । पर्यावरण संगठन ने विभिन्न स्तरों पर पेड़ लगाने का काम सरकार से मिलकर किया है। पर्यावरण विशेषज्ञ का मत है कि अगर मानव साम्यता ने बनो की अनदेखी की तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का जल स्तर कम होता जायेगा और नदियों में पानी नहीं रहेगा ।भारत में कुछ नदियों को छोड़कर अधिकतर नदियों में बरसात को छोड़कर जल सूख जाता है।गंगा, जमुना,महानदी, गोमती, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, नर्मदा, सिंध, रावी, व्यास, सतलुज,आदि नदियों के किनारे ही मानव साम्यता का जन्म हुआ था। इन नदियों के डेल्टा में सुंदर बन,जैसे विशाल जंगल श्रृंखलाओं का जन्म हुआ था। पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ स्टैन का मानना है कि जंगल नहीं होंगे तो जल,जीव, मानव, पशु पक्षी, वनस्पति का विकास नहीं होगा । उन्होंने कहा है कि पृथ्वी के आवरण से ओजोन परत को पृथ्वी के बढ़ते ताप क्रम से नुकसान हुआ है और ग्लेशियरों का पिघलना जारी है।यह भी जनसंख्या दबाव के कारण है।इस मामले में यूरोपीय देशों में जनसंख्या दबाव कम है। नॉर्वे फिनलैंड, आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, डेनमार्क आदि में ग्लेशियरों का संरक्षण हो रहा है और वहां बरसात भी 1500 मि मीटर से अधिक है जबकि भारत में मानसून नियमित है तब भी पूरे भारत की औसत बारिश 700 मि मीटर है। लेकिन अभी भी भारत में बन 25 फीसदी है। क्योंकि अपनी सदाबहार बनो, उष्णकटिबंधीय जलवायु है।उत्तर में हिमालय में घने जंगलों का डेरा है। पूर्वोत्तर भारत की हरीयाली तो पूरे संसार में सबसे अधिक है। लेकिन जहां तक नदियों, झीलों, तलावों का प्रश्न हैं उसमें यूरोपीय देश, चाइना, अमेरिका की ख्याति है। टेम्स, अमेजॉन, नील,नदियों को सर्वोत्तम माना जाता है।भारत में मप्र सबसे घने जंगलों का प्रदेश है, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, तमिलनाडु, पूर्वोत्तर राज्य असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम हरित क्रांति के जनक हैं।सबसे बुरी हालत राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, ओड़िशा, आंध्र प्रदेश,केरल के है। वर्तमान में उसी देश को विकसित माना जाता है जिसमें जीव जंतु, जानवर, पशु पक्षी सुरक्षित हो । मप्र को टाइगर स्टेट का दर्जा मिला है क्योंकि मप्र में बन अधिक हैं।कूनो पालपुर, बांधव गढ़, कान्हा किसली,शिवपुरी नैशनल पार्क, पचमढ़ी,के बन विश्व प्रसिद्ध हैं।

पाकिस्तान बनने जा रहा है बांग्लादेश ?

प्रो. सतीश कुमार

यह प्रश्न महत्त्वपूर्ण है कि क्या बांग्लादेश पाकिस्तान बनने जा रहा है? भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया है कि हर समस्या के लिए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत के ऊपर दोषारोपण न करे। यह तरीका पाकिस्तान का रहा है। पिछले कुछ वर्षों से पुख्ता संकेत हैं कि बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच पुनः एक नई लकीर खींची जा रही है जिसका मकसद भारत का विरोध है। दोनों देशों की इंटेलिजेंस भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में अशांति फैलाने की योजना की तैयारी में हैं। जब से शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए विवश किया गया है तब से बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतें मजबूत हुई हैं। बांग्लादेश में कट्टरता, अल्पसंख्यकों पर हमले या लोकतांत्रिक मूल्यों में गिरावट जैसे संकेत देखे जाते हैं। हाल के वर्षों में हिन्दू, बौद्ध और ईसाई समुदायों पर हमले हुए हैं। यूनुस ने पिछले छह महीनों में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से दो बार मुलाकात की। एक बार न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान और दूसरी बार काहिरा में डवलपिंग समिट में। दोनों देशों ने सीधे व्यापार को फिर से शुरू किया है और वीजा प्रतिबंधों में ढील दी है। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से थंडर फाइटर जेट खरीदने में रुचि दिखाई है, जो पाकिस्तान और चीन द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किए गए हैं। यह बांग्लादेश के 'फोर्सेस गोल 2030' कार्यक्रम का हिस्सा है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में गतिविधियां बढ़ा रही है और भारत के खिलाफ आतंकी हमलों के लिए बांग्लादेशी या रोहिंग्या आतंकवादियों का उपयोग कर सकती है। चीन, तुर्की, और पाकिस्तान मिल कर बांग्लादेश में 'ग्रेटर बांग्लादेश' की अवधारणा को बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत के पूर्वोत्तर में अशांति फैल सकती है। बांग्लादेश की राजनीति पाकिस्तान के रास्ते पर चल पड़ी है। सलाहकार राष्ट्रपति प्रो. यूनुस बांग्लादेश को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा करने की साजिश रच रहे हैं जहां से कट्टरपंथ की अंधेरी सुरंग शुरू होती है, जिसका कोई अंत नहीं है। पाकिस्तान 75 सालों में इसी सुरंग में फंसा हुआ है जहां से उसका निकलना अब असंभव प्रतीत होता है। बांग्लादेश में विद्यार्थी संगठनों को कट्टरपंथी बनाया जा रहा है और सत्ता के गलियारों में उनकी शिरकत के रास्ते बनाए जा रहे हैं। इस बात की ताकीद और कोई नहीं, बल्कि वहां की सेना ने की है। भारत के लिए चिंता का विषय इसलिए भी है कि बांग्लादेश-म्यांमार सीमा पर भारत विरोधी मुहिम की झलक दिखाई दे रही है। दरअसल, यह सब कुछ सुनयोजित रणनीति का हिस्सा है। बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा महज 271 किमी. की है, लेकिन है बहुत महत्त्वपूर्ण, विशेषकर भारत के लिए। मिजोरम की सीमा दोनों देशों से मिलती है। म्यांमार के 3 जिले, जो अशांत हैं, इसी सीमा पर स्थित हैं। बांग्लादेश का कॉक्स बाजार दूसरी तरफ है। भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ 5 देशों की सीमाएं मिलती हैं-चीन, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार। सब कुछ चीन के इशारे पर किए जाने की तैयारी है। आईएसआई की बांग्लादेश में बढ़ती गतिविधियों से भारत की पूर्वोत्तर सीमा पर खतरा बढ़ गया है। सूत्रों के अनुसार, आईएसआई बांग्लादेश को आतंकी गतिविधियों के लिए लॉन्चपैड के रूप में उपयोग करने की कोशिश कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह त्रिकोणीय गठबंधन भारत की क्षेत्रीय स्थिति को कमजोर कर सकता है। बांग्लादेश के लालमोनिरहाट जिले में चीन द्वारा प्रस्तावित हवाई अड्डा परियोजना भारत की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि यह रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास है। म्यांमार में चल रहे गृह युद्ध के दौरान भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के कई विद्रोही समूहों ने म्यांमार में शरण ली है, और वहां की सैन्य जुंटा के साथ समझौते किए हैं। इन समूहों को म्यांमार के उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों में ठिकाने बनाने की अनुमति दी गई है, जिससे वे भारत के खिलाफ गतिविधियां चला सकते हैं।बांग्लादेश की स्थापना 1971 में धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में हुई थी, जिसमें बांग्ला भाषा और संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान का आधार माना गया। हालांकि, हाल के वर्षों में इस्लामी पहचान को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इस परिवर्तन का एक कारण यह भी है कि 1971 के मुक्ति संग्राम को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने वाली पीढ़ी धीरे-धीरे समाप्त हो रही है, जिससे नई पीढ़ी की पहचान में बदलाव आ रहा है। इस्लामी समूहों और धार्मिक राजनीतिक दलों ने बांग्लादेशी पहचान को इस्लाम पर केंद्रित करने के प्रयास किए हैं, जिससे 'पहले बंगाली या पहले मुस्लिम?' की बहस तेज हुई है। 2024 के जुलाई-अगस्त में हुए छात्र आंदोलनों में धार्मिक पहचान को प्रमुखता दी गई जो पहले के धर्मनिरपेक्ष आंदोलनों से भिन्न था। बांग्लादेश ने हाल के दशकों में आर्थिक प्रगति की है और इसे दक्षिण एशिया का 'नया टाइगर' कहा गया है। इसकी अर्थव्यवस्था भारत के साथ मजबूती से जुड़ी हुई है, और विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान के साथ पूर्ण निकटता बांग्लादेश के आर्थिक हितों के खिलाफ होगी। बांग्लादेश की बांग्ला संस्कृति और भाषा उसकी पहचान का मूल हिस्सा है, जो इसे पाकिस्तान से अलग करती है। बांग्लादेश 1971 में पाकिस्तान से अलग होकर स्वतंत्र देश बना, मुख्य रूप से भाषाई (बांग्ला बनाम उर्दू), सांस्कृतिक और आर्थिक भेदभाव के कारण। शेख मुजीब-उर-रहमान के नेतृत्व में अवामी लीग ने स्वतंत्रता की मांग की और भारत की मदद से बांग्लादेश ने आजादी हासिल की। तब से बांग्लादेश ने अपनी पहचान धर्मनिरपेक्ष, बांग्ला भाषी राष्ट्र के रूप में बनाई जो पाकिस्तान की उर्दू-प्रधान और इस्लामी पहचान से अलग थी। यह मानना जल्दबाजी होगा कि बांग्लादेश पाकिस्तान बन गया है। बांग्लादेश एकमात्र देश है जो दोहरे उपनिवेशवाद के चंगुल में फंसा रहा।

भारत को नए रास्ते पर जाना ही पड़ेगा!

संतोष कुमार पाठक

भारत की घरेलू राजनीति में मचे बवाल के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार अपने दावे को दोहरा रहे हैं और इससे यह बात साफ होती जा रही है कि वह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की साख का अपने फायदे के लिए दुरुपयोग करना चाहते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव फिलहाल कम होने का नाम नहीं ले रहा है। भारत की बहादुर सेना से बुरी तरह से मात खाने के बावजूद पाकिस्तान का बड़बोलापन जारी है। भारत जैसे ताकतवर देश के लिए पाकिस्तान कोई बड़ी चुनौती नहीं है लेकिन वह आतंकवाद को अपनी विदेश नीति का अभिन्न अंग बना चुका है। ऐसे में सब कुछ जानने और समझने के बावजूद दुनिया के कई देशों का विचित्र रवैया काफी हैरान करने वाला है। चीन के डर को तो समझा जा सकता है क्योंकि उसने भारत के एक बड़े भूभाग पर अवैध कब्जा किया हुआ है। चीन को हमेशा यह डर सताता रहता है कि ताकतवर भारत उससे अपनी भूमि वापस ले लेगा जिससे उसके मंसूबे धरे के धरे रह जाएंगे। लेकिन दुनिया के सबसे ताकतवर लोकतांत्रिक देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रवैया काफी हैरान करने वाला है। भारत के प्रधानमंत्री ने पिछले राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिका जाकर डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बार डोनाल्ड ट्रंप की जीत में अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के लोगों की बड़ी भूमिका रही है। भारत दुनिया का सबसे विशाल और प्राचीन लोकतांत्रिक देश है और इस नाते अमेरिका का हर नेता भारत के महत्व को अच्छी तरह से समझता है। विश्व शांति, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक व्यापार सहित शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र होगा,जिसमें भारत ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका ना निभाई हो। वर्ष 1947 में आजाद होने के बाद से ही भारत की सभी सरकारों ने बातचीत,संवाद और शांति की हमेशा वकालत की। भारत के बिना आज किसी भी अंतर्राष्ट्रीय संगठन की सफलता सुनिश्चित नहीं हो सकती लेकिन इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने बयानों और फैसलों से भारत के लिए लगातार असहज स्थिति पैदा कर रहे हैं। चुनाव के बल पर अमेरिका में दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप इस बात को बखूबी समझते हैं कि उनके हर बयान का असर भारत की घरेलू राजनीति पर पड़ता है। लेकिन इसके बावजूद वह लगातार, दुनियाभर में घूम-घूम कर यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने व्यापार रोकने की धमकी

देकर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम करवाया था। भारत द्वारा इनकार करने के बावजूद ट्रंप चुप होने को तैयार नहीं है और हर बार उनका बयान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए असहज स्थिति पैदा करता हुआ नजर आता है। भारत में कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी राजनीतिक दल डोनाल्ड ट्रंप के बयानों का हवाला देते हुए मोदी सरकार पर सरेंडर करने का आरोप लगा रहे हैं। देश के 16 विपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं ने एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर, इन तमाम मसलों पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। भारत की घरेलू राजनीति में मचे बवाल के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार अपने दावे को दोहरा रहे हैं और इससे यह बात साफ होती जा रही है कि वह अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की साख का अपने फायदे के लिए दुरुपयोग करना चाहते हैं। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने तो खुलकर कह दिया है कि भारत द्वारा रूस से सैन्य साजो-सामान खरीदने और ब्रिक्स समूह (जिसमें भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल है) में शामिल होने के कारण अमेरिका भारत से नाराज है। यहां यह बात याद रखने वाली है कि आजादी के बाद अमेरिका और सोवियत संघ रूस के नेतृत्व में बंटे दो ध्रुवीय विश्व में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने ही गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखकर भारत के स्टैंड को साफ कर दिया था। लेकिन इस स्टैंड के बावजूद संकट के समय पर पहले सोवियत संघ रूस ने और बाद में रूस ने कई मौकों पर भारत का साथ दिया। जबकि अमेरिका ने ऐसे हर मौके पर पाकिस्तान का साथ दिया, उसे हथियार दिए, सैन्य साजो सामान दिए। यहां तक कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान को आतंकवादियों का गढ़ तक बनने दिया। हर तरह से भारत के लिए मुश्किलें पैदा करने वाला अमेरिका एक बार फिर से पाकिस्तान के साथ ही खड़ा होता हुआ नजर आ रहा है। भारत ने कई दशकों तक चले प्रयासों के कारण अपने आपको पाकिस्तान से कहीं ज्यादा आगे खड़ा कर दिया था लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति और उनकी सरकार भारत और पाकिस्तान को फिर से एक ही तराजू के दो पलड़ो पर खड़ा करने की नापाक कोशिश कर रही है। अमेरिका के इस रवैए से तस्वीर बिल्कुल साफ होती हुई नजर आ रही है कि भारत को अपनी लड़ाई अब खुद ही लड़नी होगी। पूरा विश्व तेजी से बदल रहा है। संकट के ऐसे काल में भारत को जहां एक तरफ अमेरिका सहित अन्य तमाम यूरोपीय देशों में रह रहे भारतीयों की ताकत और क्षमता का सदुपयोग करते हुए इन देशों के अंदर प्रभावशाली दबाव समूह के निर्माण के लिए काम करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या नगर जिनालय में मान स्तंभ निर्माण का शिलान्यास साधना आराधना विवेक से ही कीजिए: पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। राजधानी प्रवास के दौरान विभिन्न जिनालयों की वंदना आचार्य विशुद्ध सागर महाराज कर रहे हे, श्री पार्श्र्वनाथ जिनालय अयोध्या नगर में मानस्थंभ निर्माण का शिलान्यास का भूमि पूजन पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज के सा संघ सानिध्य में हुआ जिसके पुण्यर्जक परिवार अजय सीमा थे, आचार्य श्री ने कहा विनय मोक्ष का द्वार हे, जिनकी विनय से विवेक जाग्रत हो उनकी विनय करना चाहिए विवेक से तात्पर्य बुद्धि से भेद करना, पूजा आराधना साधना विवेक से कीजिए, विवेक के पालन से ही संपूर्ण व्रतों का पालन होता हे, जीवन ऐसा जिओ मरण समाधि पूर्वक समता भाव से हो, , पाद प्रक्षालन राजेंद्र उषा सेठी ने किया इस अवसर मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन पूर्व अध्यक्ष विजय जैन। कमल हाथी वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमपाल सिंघई उपाध्यक्ष के के जैन सचिव विवेक जैन कोषाध्यक्ष अनिल कुमार जैन एवं सहसचिव हिमांशु जैन सहित अनेक लोगों ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया।

हर दिन खुद से पूछना 'क्या मैंने आज खुद को बेहतर बनाया'– विचित्र बाते प्रणेता सर्वार्थसागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। भोपाल में अपने प्रवचन में विचित्र बाते प्रणेता सर्वार्थसागर महाराज जी ने कहा कि हम सब जीवन में बड़ी

ऊँचाइयाँ छूना चाहते हैं। हम सपने देखते हैं, योजनाएं बनाते हैं, और मेहनत करते हैं। लेकिन अक्सर हम ये भूल जाते हैं कि ज़िंदगी की हार या गिरावट सिर्फ किसी बड़े हादसे से नहीं होती– वो होती है छोटी-छोटी गलतियों से। जैसे किसी ऊँचे पहाड़ से गिरना मुश्किल होता है, वैसे ही ज़्यादातर लोग पहाड़ से नहीं, छोटे-छोटे पत्थरों से ठोकर खाते हैं। ये छोटी बातें ही हमारी राह का रुकावट बन जाती हैं– जैसे देर से उठना, समय की कदर न करना, ग़लत संगत में पड़ जाना या गुस्से में जवाब देना। यही छोटी ग़लतियाँ धीरे-धीरे हमारे चरित्र को, हमारे आत्मविश्वास को, और हमारे सपनों को अंदर ही अंदर खोखला कर देती हैं। तो आज से एक वादा करें– छोटी ग़लतियों को नज़रअंदाज़ नहीं करेंगे। हर दिन खुद से पूछेंगे– क्या मैंने आज खुद को बेहतर बनाया? क्या मैंने आज किसी गलती से कुछ सीखा? क्योंकि बदलाव का बीज हमेशा छोटी आदतों से ही उगता है। और वही आदतें हमें असफलता की ठोकर से बचाकर सफलता की ऊँचाइयों तक पहुंचाती हैं। विचित्र बाते प्रणेता सर्वार्थसागर महाराज जी ने कहा कि धर्म कि ज्योती जहाँ भी जलाई जाती है, अभिषेक पाटील जी कि भूमिका नजर आती है। संस्कार, सेवा, समर्पण जिनका आधार है, कोल्हापुर को जिनपर गर्व बारंबार है। –**अभिषेक अशोक पाटील**

अत्यंत दु:खद सूचना

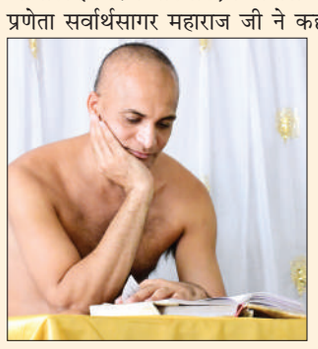

रायपुर (विश्व परिवार)। पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ के अष्टम पीठाधीश्वर सतगुरु संत गोविंदराम साहिब जी के द्वितीय सुपुत्र एवं

वर्तमान नवम पीठाधीश्वर डॉ. संतश्री युधिष्ठिरलाल महाराज जी के अनुज, स्व. साईं भरतलाल शदाणी जी (श्री दर्शनलाल शदाणी) का कल मध्य रात्रि आकस्मिक निधन हो गया। स्व. साईं भरतलाल शदाणी जी का जन्म 25 अक्टूबर 1964 को हुआ था। वे एक अत्यंत विनम्र, परोपकारी और आत्मीय व्यक्ति थे, जिन्होंने जीवन भर नि:स्वार्थ सेवा, सहजता और श्रद्धाभाव से शदाणी दरबार तीर्थ की मर्यादा को आगे बढ़ाया। हर भक्त के हृदय में उनके लिए एक विशेष स्थान रहा है। आज प्रात:काल से ही, बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शदाणी दरबार तीर्थ पहुँच रहे हैं, जहाँ वे स्व. साईं भरतलाल शदाणी जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। हर भावुक नज़र और मौन मन उनके प्रति अगाध प्रेम और आस्था को प्रकट कर रहा है। अंतिम दर्शन आज दोपहर 2 बजे से शदाणी दरबार तीर्थ में किए गए। अंतिम यात्रा आज शाम 4 बजे शदाणी दरबार तीर्थ से शदाणी मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान की। शदाणी दरबार तीर्थ परिवार उनके आध्यात्मिक योगदान और सेवा-समर्पण को कोटि-कोटि नमन करता है।

भावनायोग समग्र जीवन के रूपांतरण का आधार है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

भोपाल (विश्व परिवार)। भावनायोग समग्र जीवन के रूपांतरण का आधार है। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने अवधपुरी भोपाल के श्री विद्याप्रमाणगुरुकुलम् में प्रात:कालीन सभा को सम्वोधित करते हुये व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि अपनी गल्तियों को खुद देखो और उसको अच्छे से स्वीकार करो मुनि श्री ने प्रतिक्रमण के व्यवहारिक स्वरुप को समझाते हुये कहा कि अपने आप को खुद देखो जिस दिन से अपने आपको देखना शुरु कर लिया उसी दिन से आपके अंदर परिवर्तन आना शुरु हो जाऐगा तथा औरों में भी परिवर्तन महसूस करोगे मुनि श्री ने कहा यही से जीवन के रूपांतरण की शुरुआत होगी उन्होंने एक घटना सुनाते हुये कहा कि एक व्यक्ति का स्वभाव बड़ा उदडंड और मिजाज बड़ा खराब एवं व्यवहार में तीखा था वह किसी से भी अच्छा व्यवहार नहीं करता तथा लोगों से अपशव्दों में बोलता तथा दूसरों पर अपने पैसा और पांवर का दबदबा दिखाकर अपमानित करता था उसके इस व्यवहार से सामने तो कोई कुछ नहीं कहता लेकिन उससे बोलना पसंद नहीं करते थे सब कुछ ऐसा ही चला और उसने अपना पूरा जीवन ऐसे ही निकाल दिया बुढ़ापे की अवस्था आ गई और उसने अपने पिछले जीवन के विषय में सोचना शुरू किया तो उसका अपना जीवन सिनेमा में रील की तरह घूमने लगी और वह अपने पापों के वोझ से दब गया जब उसे अपनी गल्तिओं का अहसास हुआ तो उसकी आंखों से झर झर आंसू बहने लगे उसने अपने सभी सगे सम्वंधिओं को बुलाया और अपने व्यवहार के प्रति सभी से क्षमा याचना कर पश्चाताप किया और अपने व्यवहार के प्रति माफी मांगी लोगों ने उसके बुरे व्यवहार को भी देखा और पश्चाताप के इस निश्चल व्यव्हार को भी देखा मुनि श्री ने कहा कि दीप यदि टूटा हुआ भी है लेकिन उसकी लौ यदि निर्मल है तो वह भी प्रकाश प्रदान कर सकता है मुनि श्री ने कहा कि जीवन में परिवर्तन प्रतिक्रमण का ही प्रभाव है मुनि श्री ने कहा कि प्रतिक्रमण मात्र एक पाठ नहीं है प्रतिक्रमण आत्मा का आत्मा से एक सम्वाद है, मुनि श्री ने कहा आप प्रतिदिन किसी न किसी बात करते हो क्या कभी आपने अपने आपसे बात की? मुनि श्री ने कहा कि दूसरों से बात करने में इतने मश्गूल हो जाते हो कभी खुद से मुलाकात करने का समय ही नहीं मिलता। –**अविनाश जैन**

झांसी/ललितपुर से जैन तीर्थ महावीर जी तक सीधी ट्रेन चलाने हेतु सांसद को ज्ञापन

झांसी (विश्व परिवार)। भगवान महावीर निर्वाण महामहोत्सव समिति द्वारा झांसी/ललितपुर से राजस्थान के करौली जिला स्थित अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी हेतु सीधी रेलसेवा आरंभ करवाने हेतु आज स्थानीय सांसद श्री अनुराग शर्मा से मिलकर ज्ञापन भेंट किया।

सांसद श्री अनुराग शर्मा ने आश्वासन दिया कि वह बुंदेलखंड से महावीर जी को जोड़ने के लिए चलाई जाने वाली ट्रेन की मांग पर रेल मंत्रालय आवश्यक कार्रवाई करने का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर समिति के संरक्षक ललित जैन, शैलेन्द्र जैन, अशोक जैन (रतन सेल्स), मार्गदर्शक प्रदीप जैन विश्वपरिवार, पूर्व वनाधिकारी वी के जैन, मुख्य संयोजक रविंद्र जैन (सीटीआई), स्वागताध्यक्ष राजीव जैन अहिंसा, संयोजक वैद्य सचिन जैन, अरुण सिर्स, डा. सिद्धार्थ जैन, महामंत्री संजय जैन कर्नल आदि मौजूद रहे।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द सिंधी समाज के गो सेवा अभियान से जुड़ने सम्बन्धी पुस्तिका का 11 जून को वाराणसी में करेंगे विमोचन

वाराणसी/रायपुर (विश्व परिवार)। मसन्द सेवाश्रम रायपुर छत्तीसगढ़ के पीठाधीश, सिंधी समाज के विख्यात संत पूज्य साईं जलकुमार मसन्द साहिब द्वारा देश विदेश में बसे सिंधी समाज के गो सेवा अभियान से जुड़ने के सम्बन्ध में एक पुस्तिका प्रकाशित कराई गई है। पुस्तिका का विमोचन ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य पूज्यपाद स्वामीश्री अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज 11 जून को अपराह्न 3 बजे श्रीविद्यामठ वाराणसी में करेंगे। साईं मसन्द साहिब 9 जून को इस सम्बन्ध में वाराणसी पहुंच गए हैं।

साईं मसन्द साहिब ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य पूज्यपाद स्वामीश्री अविमुक्तेश्वरानन्द महाराज के नेतृत्व में कार्यरत अंतरराष्ट्रीय हिन्दू संगठन परम धर्म संसद 1008 के संगठन मंत्री भी हैं। भारत सहित विश्व के 108 देशों की कुल 1008 धार्मिक एवं सामाजिक प्रतिभाएं इस संगठन में शामिल हैं। संगठन भारत के पूज्यपाद चारों शंकराचार्यों के मार्गदर्शन में पिछले तीन वर्षों से गौमाता को राष्ट्रमाता स्वीकार किये जाने हेतु गो सेवा अभियान चला रहा है।

साईं मसन्द साहिब जी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वाराणसी सिंधी समाज की समस्त पूज्य सिंधी पंचायतों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के सभी प्रमुख पदाधिकारियों तथा अन्य वरिष्ठ नागरिकों को विशेष आमंत्रित किया गया है। इस अवसर पर ये सब पूज्यपाद शंकराचार्य महाराज जी का भावभीना सम्मान करेंगे। इनके अलावा शंकराचार्य महाराज जी से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के प्रमुखों को भी इस अवसर पर विशेष उपस्थित होने का अनुरोध किया गया है।

पुरस्कार वितरण के साथ होगा संस्कार शिक्षण शिविर का समापन

सैकड़ों बच्चो ने दी एक साथ मिलेंगे संस्कारों की परीक्षा

सभी कक्षाओं के सर्वश्रेष्ठ शिविरार्थियों का होगा सम्मान-विजय धुर्रा

अशोकनगर (विश्व परिवार)। मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के आशीर्वाद से श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर द्वारा श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान में आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर की परीक्षाओ का आयोजन गंज मन्दिर में किया गया जिसमें सभी मन्दिरों की पाठशालाओ मे अध्ययनरत शिविरार्थियों की परीक्षा ली गई पुरूस्कार वितरण कर दस जून को शाय काल में गंज मन्दिर में होगा जिसमें सभी कक्षाओं के प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शिविरार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा।

विद्वानों को सम्मानित किया जायेगा ङ्कविजय धुर्रा

इस दौरान समारोह को सम्बोधित करते हुए जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि सांगानेर जयपुर से पधारे विद्वान श्री अनुभव शास्त्री विव्दतश्री शिवम् शास्त्री विदत श्री संयम शास्त्री पंडित पीयूष शास्त्री विव्दतश्री कमलेश शास्त्री सभी विद्वान इस शिविर में अध्ययन अध्यापन कार्य बहुत ही कुशलता से कराया कद काठी में छोटे दिख रहे भइया अपनी विद्वत्ता से सभी को प्रभावित किया है इस शिविर से वच्चो ने ज्ञान अर्जित करने के साथ ही जो संस्कार प्राप्त किये है वे संस्कार जीवन भर काम आयेगे इसके पहले आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष प्रदीप तारई मंत्री विजय धुर्रा शिविर प्रभारी निर्मल मिर्ची राजू पिपरई हेमंत टडैया दारा किया गया।

पेंशनर्स एसोसिएशन की आपात बैठक में महंगाई भत्ता भुगतान में विलंब पर रोष

विशेष सदस्यता अभियान में 21 पेंशनरों ने की सदस्यता ग्रहण

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन, जिला शाखा रायपुर द्वारा दिनांक। जून 2025 (शनिवार) को कर्मचारी भवन, रायपुर में एक आपात बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रांतीय महामंत्री श्री उमेश मुदलियार एवं संभागीय अध्यक्ष श्री विमल चंद्र कुंडू एवं जिलाध्यक्ष श्री पंकज नायक के नेतृत्व में संपन्न हुई।

बैठक में बड़ी संख्या में पेंशनर साथियों ने भाग लिया और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिनांक 1 मार्च 2025 से 3त्न महंगाई भत्ता बढ़ाकर कुल 53त्न किए जाने के बावजूद इसे मई माह की पेंशन में सम्मिलित न किए जाने पर तीव्र रोष प्रकट किया। शासन के वित्त विभाग के निर्देश क्रमांक 18/2025 दिनांक 14/05/2025 के अनुसार यह आदेश जारी किया गया था, किंतु न तो संशोधित भत्ता प्राप्त हुआ और न ही मार्च से मई 2025 तक का एरियर दिया गया।

पेंशनर्स साथियों ने एक स्वर में विरोध व्यक्त करते हुए यह निर्णय लिया कि भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीयकृत पेंशन प्रक्रिया केंद्र, बाल आश्रम परिसर, कचहरी चौक, रायपुर के मुख्य प्रबंधक से भेंट कर यह मांग की जाएगी कि जून माह की पेंशन में संशोधित भत्ता शामिल किया जाए तथा लंबित एरियर (मार्च से मई) शीघ्र ता शीघ्र प्रदान किया जाए।

इसी अवसर पर एसोसिएशन द्वारा विशेष सदस्यता अभियान का भी आयोजन किया गया, जिसमें रायपुर जिले के 3 संरक्षक सदस्य, 16 आजीवन सदस्य एवं दो वार्षिक पेंशनर साथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण की तथा अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई।

इस अभियान में एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनमें शामिल थे– श्री पंकज नायक ङ्क जिलाध्यक्ष, श्री उमेश मुदलियार, प्रांतीय महामंत्री श्री विमलचंद्र कुंडू– संभागीय अध्यक्ष, श्री विश्वनाथ ध्रुव– उपाध्यक्ष, श्री विजय झा– संरक्षक, कोषाध्यक्ष– श्री बीपी कुरील, महामंत्री– श्री यशवन्त भोसले, सचिव– श्री बेनी राम गायकवाड़।

सलाहकारगण– श्री वाय.आर. सोनी, श्री राकेश त्रिवेदी, तथा श्री महेश ठाकुर, श्री परमार, श्री आनंद टोप्पो, श्री रमेश पटेरिया, श्री व्ही.के. विरानी, श्री एम.आर. चन्द्राकर, श्री राजेश देवांगन, श्री राही रियाज़, श्री निरापुरे, श्री गायकवाड़, एसोसिएशन के महिला प्रकोष्ठ से सुश्री उषा सोनी तथा शिक्षा विभाग से श्री प्यारेलाल सेन अपने साथियों सहित एवं श्री रवि साहू अपने साथियों सहित विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सभी पेंशनर साथियों ने एसोसिएशन की गतिविधियों की सराहना करते हुए एकजुटता, सहभागिता और संगठन को मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। एसोसिएशन की ओर से सभी सम्मानित उपस्थितजनों का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया।

महापौर यादव ने आर.के. नगर अमृत उद्यान में किया वृक्षारोपण, प्रबुद्धजनो एवं महिलाओ ने कचनार, नीम, कदम के लगाये पौधे

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। पर्यावरण संरक्षण एवं शहर में हरियाली को बढ़ावा देने इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा वृक्षारोपण किया जा रहा है। जिसका शुभारंभ महापौर श्री मधुसूदन यादव ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आनंद वाटिका में एक पेड मॉ के नाम लगाकर किया। इसी कडी में गत दिवस रविवार को महापौर के साथ जिला सहकारी केन्द्रीय बैक के अध्यक्ष श्री संचिन बघेल, नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, राजस्व विभाग के प्रभारी सदस्य श्री राजा माखीजा, पार्षद श्री संदीप बघेल व श्री सेवक उईके, पार्षद प्रतिनिधि श्री पंकज कुरंजेकर सहित वार्ड के प्रबुद्धजन सर्वश्री रूपचंद भीमनानी, संदीप भट्टाचार्य, प्रोफेसर कैलाश देवांगन, विद्युत मण्डल के सेवानिवृत्त कार्यपालन अभियंता अशोक उमरे, नीलेश जोबनपुत्र, टीकाराम त्यागी, आदित्य पराते, कृष्णा तिवारी, जय वैष्णव सहित महिलाए एवं वार्डवासियो ने आर.के.नगर अमृत उद्यान में कचरार, नीम, कदम के पौधे रोपित किये।

वृक्षारोपण के अवसर पर महापौर श्री यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने की नितांत आवश्यक है। क्योकि आज के इस औधोगीकरण एवं शहरी करण के युग में वृक्षों की अंधाधुध कटाई हो रही है और कटाई के अनुपात में वृक्ष नहीं लगाये जा रहे है। जिससे हमारा जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इन बातों को ध्यान में रखते हुये नगर निगम द्वारा पौधा रोपण किया जा रहा है और आज अमृत उद्यान में विभिन्न प्रजाति के पौध रोपित किए गये। उन्होंने कहा कि गत वर्ष भी नगर निगम द्वारा शहर में वृहद वृक्षारोपण किया गया था। जिसका शहर में अच्छा प्रतिसाद मिला। शासन द्वारा भी नागरिको को पर्यावरण संरक्षण से जोडने एक पेड मॉ के नाम अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने कहा कि इस वर्ष भी नगर निगम द्वारा शहर में स्थल चयन कर वृक्षारोपण किया जा रहा है। गत वर्ष निगम द्वारा किये गये पौध रोपण का देख-भाल भी कर रहे है, उनमें से अधिकांश पौधे वृक्ष का रूप ले रहे है। यह सबके सहयोग से ही संभव है, क्योकि यदि हर व्यक्ति अपने घर एवं संस्थान के सामने लगे वृक्ष की देख-भाल व सुरक्षा करेगा तो हमारा शहर हरा-भरा हो जायेगा।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के पूज्य पिताजी रामजी लाल अग्रवाल को संसद की समिति बैठक में दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर/नई दिल्ली (विश्व परिवार)। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल सोमवार को संसद भवन में आयोजित दो महत्वपूर्ण समितियों, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय की स्थायी समिति तथा प्राक्कलन समिति की बैठकों में शामिल हुए।

इस अवसर पर रसायन एवं उर्वरक मामलों की स्थायी समिति की बैठक की शुरुआत एक भावुक क्षण के साथ हुई, जब समिति अध्यक्ष माननीय श्री कीर्ति आज़ाद जी सहित सभी माननीय सदस्यों और अधिकारियों ने श्री बृजमोहन अग्रवाल जी के पूज्य पिताजी स्वर्गीय श्री रामजी लाल अग्रवाल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्रद्धासुमन अर्पित किए और अग्रवाल परिवार के प्रति अपनी गहन संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

इस अवसर पर श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, यह हमारे परिवार के लिए अत्यंत भावुक और गर्व का क्षण है। समिति के सभी सदस्यों द्वारा जो सम्मान और स्नेह हमें मिला, उसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

बैठक में दवाओं के सक्रिय घटकों (क्क्च्) के उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु उठाए गए कदमों पर फार्मास्यूटिकल विभाग के अधिकारियों द्वारा विस्तारपूर्वक प्रस्तुति दी गई। उच्च गुणवत्ता के उत्पादों की उत्पादन क्षमता, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं (क्क्रु), एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की भूमिका जैसे विषयों पर गहन विचार हुआ।

वहीं उर्वरक विभाग के अधिकारियों ने उर्वरक सब्सिडी योजनाओं की निगरानी और आधुनिक व पर्यावरण अनुकूल उर्वरकों की उपलब्धता जैसे विषयों पर जानकारी साझा की।

प्राक्कलन समिति बैठक

प्राक्कलन समिति की बैठक में 'प्राकृतिक गैस की आपूर्ति और वितरण: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, गैस पाइपलाइन अधोसंरचना, घरेलू उत्पादन में आत्मनिर्भरता एवं भावी रणनीतियों पर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तुति दी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस दौरान छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में ऊर्जा ढांचे के विस्तार और गैस आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया।

महापौर ने रायपुर निगम कर्मचारी एकता संघ के पदाधिकारियों को जोन-8 कार्यालय में घुसकर किये गए उपद्रव के आरोपियों पर शीघ्र कड़ी कार्यवाही करने किया आश्वस्त

शीघ्र एसएसपी से मिलकर प्रकरण में आरोपियों पर गैर जमानती धाराओं को लगाकर कड़ी कानूनी कार्यवाही करने मांग की जाएगी : महापौर

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर नगर पालिक निगम कर्मचारी एकता संघ के अध्यक्ष श्री प्रमोद जाधव और पदाधिकारियों ने नगर निगम रायपुर के वरिष्ठ अधिकारियों सहित रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे से निगम मुख्यालय भवन के महापौर कक्ष में जाकर उन्हें विगत 4 जून 2025 को नगर निगम रायपुर के जोन 8 कार्यालय परिसर के भीतर की गयी उपद्रव की घटना को लेकर आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही करवाने की मांग की. इस पर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने नगर निगम जोन 8 कार्यालय परिसर में हुई उपद्रव की घटना को अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक घटना निरुपित करते हुए रायपुर नगर पालिक निगम कर्मचारी एकता संघ के सभी पदाधिकारियों और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को आश्वस्त किया कि शीघ्र जिला वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलकर उनसे प्रकरण को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए नगर निगम कार्यालय में उपद्रव की घटना के आरोपियों पर जमानतीय धाराओं के स्थान पर गैर जमानतीय धारायें लगाकर नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग की जाएगी. महापौर श्रीमती श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि प्रकरण में नियमानुसार आवश्यक कड़ी कार्यवाही आरोपियों पर करवाए जाने पहल और कार्य किया जायेगा. नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी पर फील्ड में पर्याप्त सुरक्षा की व्यवस्था रायपुर जिला पुलिस अधीक्षक से मिलकर प्रशासनिक तौर पर विशेषकर कार्यवाही के दौरान पूर्व निश्चित करवाई जाएगी. महापौर श्रीमती मीनल चौबे से मिलने गए रायपुर नगर पालिक निगम कर्मचारी एकता संघ के प्रतिनिधि मण्डल में संघ के अध्यक्ष श्री प्रमोद जाधव, उपाध्यक्ष श्री मोहित दर्रो, श्री श्याम सोनी, नगर निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल सहित जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव, श्री विवेकानंद दुबे, श्री खीरसागर नायक, उपायुक्त श्री रमाकांत साहू, कार्यपालन अभियंता श्री अंशुल शर्मा सीनियर, श्री अंशुल शर्मा जूनियर, संघ के सभी पदाधिकारियों, नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 10 जून 2025

संक्षिप्त समाचार

मेगा प्लांटेशन ड्राइव के अंतर्गत टाकरागुड़ा में हुआ आयल पाम पौधारोपण कार्यक्रम

जगदलपुर (विश्व परिवार)। लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक के ग्राम पंचायत टाकरागुड़ा में आज मेगा प्लांटेशन ड्राइव के अंतर्गत आयल पाम पौधारोपण कार्यक्रम का सफ्ल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल जी ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम में 20 किसानों द्वारा आयल पाम के पौधे लगाए गए। यह योजना भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत संचालित है, जिसका उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना एवं कृषि क्षेत्र में विविधता लाना है। विधायक श्री विनायक गोयल जी ने अपने उद्बोधन में किसानों को आयल पाम की खेती के लाभ बताते हुए इस योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पौधारोपण आने वाले समय में क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक श्री सोनधर नाग के निजी भूमि रकबा 2.00 हेक्टेयर में आयल पाम पौधारोपण किया गया, जो इस योजना के सफ्ल क्रियान्वयन का प्रेरणादायक उदाहरण है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख कार्यक्रम मे विधायक विनायक गोयल जी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती पदमा कश्यप जी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रैतुराम बघेल जी, किसान अध्यक्ष हिडमोराम मंडावी जी, भाजपा जिला मंत्री बाबुल नाग जी, सरपंच श्रीमती कमला बघेल जी, एवं साथ ही अन्य विभागीय अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता गण भी उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टर ने जनदर्शन में आम जनता से सुनी समस्या-शिकायतें

जगदलपुर (विश्व परिवार)। सप्ताह के प्रथम दिन सोमवार को कलेक्टर हरिस एस के निर्देशन पर जिला कार्यालय के आस्था सभाकक्ष में कलेक्टर जनदर्शन का आयोजन किया गया। अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल ने जनदर्शन में उपस्थित आवेदकों से माँग और शिकायत प्राप्त कर संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान अपर कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकारिता पर हमला: गरियाबंद के पितईबंद रेत खदान में पत्रकारों पर जानलेवा हमला, माफिया राज का खुला खेल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में रेत माफ्याओं के आतंक ने एक बार फ्र लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बोल दिया है। पितईबंद रेत खदान (पैरी नदी) में सोमवार को अवैध खनन की खबर का खुलासा करने पहुंचे पत्रकारों पर खदान संचालक के गुर्गों ने न केवल हमला किया, बल्कि उन्हें बुरी तरह पीटा और उनका पत्रकारिता से जुड़ा सारा सामान छीन लिया।

मिली जानकारी अनुसार न्यूज 18 के वरिष्ठ पत्रकार शेख इमरान मेमन, ज़ी न्यूज़ के संवाददाता थानेश्वर साहू, जितेंद्र सिन्हा और अन्य मीडिया कर्मी मौके पर कवरेज के लिए पहुंचे थे। वहां उन्होंने अवैध रेत खनन और परिवहन करते वाहनों को देखा और इसकी जानकारी तत्काल जिला खनिज अधिकारी को दी। लेकिन प्रशासनिक अमला मौके पर नहीं पहुंचा और कुछ ही देर में वहां पहुंचे खदान माफ्या के 7-8 गुर्गों ने स्थिति भयावह बना दी।

कैमरा और पहचान पत्र छीनकर की गई मारपीट- साक्ष्य एकत्र कर रहे पत्रकारों से गुर्गों ने पहले तीखी बहस की, फ्र कैमरे और पहचान पत्र छीन लिए। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। जान बचाने के लिए पत्रकार खेतों और खलिहानों में जाकर छिपे। लेकिन गुर्गे बाइक और स्कूटी से उनका पीछा करते रहे, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

वीडियो संदेश से प्रशासन हरकत में

हमले के तुरंत बाद पत्रकार शेख इमरान मेमन ने एक वीडियो संदेश प्रशासनिक और मीडिया ग्रुप में साझा किया, जिसमें घटना की पूरी जानकारी दी गई। वीडियो सामने आते ही कलेक्टर भगवान सिंह ने तत्काल एसडीएम को मौके पर रवाना किया। वहीं एडिशनल एसपी जितेंद्र चंद्राकर ने राजिम पुलिस को तत्काल एक्शन लेने का निर्देश दिया।

जांच जारी, लेकिन उठते हैं गंभीर सवाल

फ्लिहाल पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और मामले की जांच शुरू हो गई है। हालांकि इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं —

क्या प्रशासन अवैध खनन में मौन समर्थन दे रहा है?

जब पत्रकार सुरक्षित नहीं, तो आम जनता का क्या हाल होगा?

क्या यह हमला लोकतंत्र की आवाज़ को दबाने की कोशिश नहीं है?

समाप्ति नहीं, चेतावनी है यह हमला- यह घटना महज एक हमला नहीं, बल्कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर एक सीधा वार है। रेत माफ्या और खनिज विभाग की मिलीभगत की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि इस घटना पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो यह माफ्या कल किसी भी आवाज़ को कुचलने से नहीं चूकेगा।

कोपरा स्वास्थ्य केंद्र में आरएचओ पूनम सिन्हा ने अकेले कराए एक घंटे में दो सुरक्षित प्रसव, जच्चा-बच्चा स्वस्थ

गरियाबंद (विश्व परिवार)। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोपरा में रविवार तड़के रात्रिकालीन ड्यूटी पर तैनात महिला ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती पूनम सिन्हा ने एक घंटे के भीतर दो गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित और सफ्ल सामान्य प्रसव अकेले संपन्न कराया। दोनों नवजात शिशु एवं माताएं पूरी तरह स्वस्थ हैं। इस पर प्रसूतियों के परिजनों ने आरएचओ पूनम सिन्हा का आभार जताया। गौरतलब है कि श्रीमती पूनम सिन्हा पूर्व में भी कई जोखिमभरे व जटिल प्रसवों को सफ्लतापूर्वक संभाल चुकी हैं। कोपरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का क्रिटिकल डिलीवरी मामलों को नार्मल डिलीवरी में बदलने का एक अच्छा रिकॉर्ड रहा है, जो यहां की चिकित्सा सेवाओं की दक्षता, अनुभव और संवेदनशीलता को दर्शाता है। सफ्ल प्रसव और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए स्थानीय नागरिकों व स्वास्थ्य विभाग ने आरएचओ पूनम सिन्हा की सेवा भावना, कार्यकुशलता और निष्ठा की सराहना की है।

उल्लेखनीय है कि पहला मामला ग्राम सुरसाबांधा की 23 वर्षीय वंदना साहू (पति गजेंद्र साहू) का था, जिन्हें रात 1.20 बजे प्रसव पीड़ा के साथ स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। आरएचओ पूनम सिन्हा की निगरानी में वंदना ने रात 2 बजकर 46 मिनट पर 3.700 किलोग्राम वजनी स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। यह उनका प्रथम प्रसव था। इसके बाद ग्राम तर्रा निवासी 27 वर्षीय यज्ञा तारक (पति ओंकार तारक) को सुबह 03 बजे लाया गया। उनका यह द्वितीय प्रसव था, जिसमें उन्होंने 3 बजकर 58 मिनट पर 2.7 किलोग्राम वजनी स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। दोनों ही डिलीवरी पूर्णत: सामान्य एवं सुरक्षित रूप से संपन्न हुईं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान से आत्मनिर्भर खेती की ओर बढ़ा कदम

महासमुंद। कृषि क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में आज विकासखंड बसना के ग्राम बड़ेटेमरी और खरोरा में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों, जैविक खेती और जल संरक्षण जैसी पद्धतियों से जोड़ते हुए उनकी उत्पादन क्षमता को सशक्त बनाना है। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक, कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, किसान प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों से सीधा संवाद कर उन्हें केंद्र व राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। उप संचालक कृषि एफआर कश्यप के मार्गदर्शन में उन्नत किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी वितरित किए गए। ग्राम बड़ेटेमरी के किसानों—कुंजबिहारी, जगन्नाथ पटेल, पीताम्बर पटेल, सदाउ, सुरेश प्रधान और शोभा राम साव—को यह कार्ड प्रदान किए गए, जिससे उन्हें अपनी मिट्टी की गुणवत्ता जानकर उपयुक्त फ्सल और उर्वरक के चयन में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के माध्यम से न केवल किसानों को वैज्ञानिक कृषि की ओर प्रेरित किया गया, बल्कि उन्हें शासकीय सहायता से जुड़कर खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाने के लिए आवश्यक जानकारी भी दी गई। उपसंचालक कश्यप ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान से विश्वाश है कि यह अभियान किसानों को नई दिशा देगी, जिससे वे आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर होंगे और प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी विवेक पटेल (सरायपाली), कृषि वैज्ञानिक रविश केशरी (महासमुंद), सहायक प्राध्यापक सुबोध प्रधान।

मानवता के हित में रक्तदान किया चालकों ने

कोरबा। कई बार ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है जब पीडितों की जिंदगी बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। इसका प्रबंध करने के लिए पीड़ितों के परिजनों को कई प्रकार की समस्याओं को झेलना पड़ता है। कोरबा जिले के सरकारी और निजी ब्लड बैंको की प्यास बुझाने के लिए जन भागीदारी को जरूरी समझ गया है। कोरबा में वाहन चालक मालिक संघ के द्वारा इसी सिलसिले में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ओपन थिएटर घंटाघर चैराहा पर यह कैंप बिलासपुर ब्लड बैंक के सहयोग से हुआ। संगठन के सदस्यों के साथ-साथ आम लोगों ने यहां पहुंचकर अपनी भूमिका निभाई। मनोहर लाल ने बताया कि वह इस रास्ते से गंतव्य को जा रहे थे जब उन्होंने एक अच्छी थीम के साथ आयोजन को देखा तो उनके मन में रक्तदान करने का विचार आया।

गरियाबंद पुलिस की बड़ी कार्रवाई: दो फ्रार गांजा सप्लायर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गरियाबंद जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने दो फ्रार गांजा सप्लायरों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान इंड टू इंड कार्यवाही के तहत यह बड़ी सफ्लता मानी जा रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 07 जनवरी 2025 को थाना सिटी कोतवाली गरियाबंद ने अपराध क्रमांक 03/2025 NDPS एक्ट की धारा 20 (B) (ii) (C) के तहत आरोपी जगदीश भाटिया को 83.300 किलोग्राम गांजा के साथ एक पिकअप वाहन में गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आए सप्लायर भुयना दिगल, पिता नानीगा दिगल, उम्र 40 वर्ष, निवासी कारेकम्बा, थाना फ्रिला, जिला कंधमाल (उड़ीसा) को साइबर सेल की मदद से ट्रैक कर पुलिस ने गवाहों की उपस्थिति में गिरफ्तार कर 02 जून 2025 को न्यायिक हिरासत में भेजा।

इसी प्रकार, 18 मार्च 2025 को थाना गरियाबंद के अपराध क्रमांक 36/2025 NDPS एक्ट की धारा 20 (B) (ii) (C) के तहत चार आरोपियों — निक्कू कुमार, शंकर पांडे, विशाल कुमार और मुनीश कुमार — को 30.385 किलोग्राम गांजा के साथ मोटरसाइकिल पर गिरफ्तार किया गया था। मामले में फ्रार चल रहे सप्लायर प्रकाश खिल्लो, पिता गुरु खिल्लो, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम दुरला टिकरापारा, थाना नंदपुर, जिला कोरापुट (उड़ीसा) को भी साइबर सेल की मदद से गिरफ्तार कर 02 जून 2025 को जेल भेजा गया।

गिरफ्तार सप्लायर आरोपी:

1. भुयना दिगल (40), निवासी कारेकम्बा, थाना फ्रिला, कंधमाल, उड़ीसा।

2. प्रकाश खिल्लो (22), निवासी ग्राम दुरला टिकरापारा, थाना नंदपुर, जिला कोरापुट, उड़ीसा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव एवं सांसद महेश कश्यप ने लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन

जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में बुरूंदवाड़ासेमरा एवं करनपुर में सीसी सड़क,किचन शेड़,नाली व शापिंग काम्प्लेक्स निर्माण कार्य का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव व सांसद श्री महेश कश्यप ने किया भूमिपूजन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र में आज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव व सांसद श्री महेश कश्यप ने बुरूंदवाड़ासेमरा एवं करनपुर में लाखों के विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने बुरूंदवाड़ासेमरा में सीसी सड़क निर्माण 700 मीटर लागत 19.15 लाख रूपए ,सी सी सडक 100 मीटर लागत 3.17लाख रूपए ,किचन शेड़ निर्माण लागत 14.33 लाख रूपए, शापिंग काम्प्लेक्स निर्माण 9.05 लाख रूपए एवं करनपुर क्षेत्र में सी सी सडक निर्माण 240 मीटर लागत 7.78 लाख रूपए एवं सी सी सडक निर्माण 600 मीटर लागत 19.50 लाख रूपए जिसमें सभी कार्यो का कुल लागत 73.43 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक श्री किरण देव ने कहा कि हमारी सरकार के बनने के बाद प्रदेश में चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। जनता के मांग के अनुरूप विकास कार्य हो रहे हैं, जनता को मूलभूत सुविधाएं देना हमारा दायित्व है। हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में लगातार विकास की बयार बह रही है। क्षेत्र के देवतुल्य जनमानस की मांग के अनुरूप वर्षों से मांग रखा था। क्षेत्र की जनता की मांग के अनुरूप आज सीसी सड़क निर्माण, नाली ,किचन शेड़, शापिंग काम्प्लेक्स व अन्य निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। सड़क,नाली,पेयजल, शिक्षा, विधुत व अन्य सुविधाओं को पूरा करने का कार्य कर रहे हैं। जनता के मांग के अनुरूप क्षेत्र में कार्य किया जायेगा। सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ किया जाएगा। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। विकास अनवरत जारी रहेगा। वहीं सांसद श्री महेश कश्यप ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद विकास कार्य अनवरत जारी है। पूरे प्रदेश में चौमुखी विकास कार्य हो रहे हैं। हमारी सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे हमारा दायित्व है। हमारी सरकार जनता के सभी मांगों को गारंटी के साथ पूरी कर रही है। हमारे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। आज लाखों रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। जिसका लाभ जनता को मिलेगा। इस दौरान जनपद सदस्य मीना राव, मंडल अध्यक्ष महेन्द्र सेठिया, संरपंच बुदरी बघेल, श्रीमती पुष्पांजलि ,उप सरपंच श्रीमती मधु राव,वनसिंग, एवं सुब्रतों विश्वास,राजेश शर्मा, सीमांचल दास,रैनू बघेल,आनंद राव, रूपेश समरथ,राधे पन्द्रे, सूर्य नारायण, अभिमन्यु,बंशीधर, बबलू, त्रिपति नागेश, नरसिंह पुजारी, कमलेश, लक्ष्मण, विकास सिदार, जनपद सीईओ अमित भाटिया एवं क्षेत्र की देवतुल्य जनमानस उपस्थित थे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 10 जून 2025

व्यापार समाचार

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की हुई सगाई, सामने आया वीडियो, दिग्गजों ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ स्थित एक होटल में रविवार को इंडियन क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी(सपा) से सांसद प्रिया सरोज की सगाई पर दिग्गजों का जमावड़ा लगा। इस सगाई समारोह में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, जया बच्चन सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सगाई समारोह से रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की तस्वीर भी सामने आई है। इन तस्वीरों में प्रिया सरोज प्याजी रंग के लहंगे में दिखीं तो रिंकू सफेद रंग की शेरवानी पहने दिखे। सगाई की अंगूठी पहनाते वक्त सपा सांसद काफी भावुक हो गईं और फफक-फफक कर रो पड़ीं। इस भावुक क्षण में रिंकू ने उन्हें संभाल लिया। दोनों की जोड़ी को हर ओर से बधाईयां मिल रही हैं। यह जोड़ी इसी साल 18 नवंबर को शादी के बंधन में बंधेगी। सगाई समारोह से कई वीडियो भी सामने आई हैं, जिसमें दोनों एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं। रिंकू सिंह के चेहरे पर खुशी साफ तौर पर देखने को मिल रही है। क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने मीडिया से कहा कि हम दोनों परिवारों को बधाई देने आए हैं। विधायक शिवपाल सिंह यादव ने कहा, उन्हें बहुत-बहुत बधाई। वहीं, समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, मैं उन्हें बधाई देने आया हूं। वे खुश रहें, धन्य रहें, और उनका वैवाहिक जीवन शानदार रहे। बीसीसीआई उपाध्यक्ष और कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने इस जोड़ी को अद्भुत बताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा, दोनों अपने-अपने क्षेत्र में बेहद सफल हैं। दोनों का प्रदर्शन अपने-अपने फील्ड पर काफी शानदार चल रहा है। एक क्रिकेटर और राजनीतिज्ञ की यह शादी काफी अच्छी रहेगी। दोनों की यह जोड़ी काफी सफल रहेगी। रिंकू सिंह बेहतरीन खिलाड़ी हैं तो वहीं प्रिया सरोज भी शानदार सांसद हैं। क्रिकेटर रिंकू सिंह के साथ खेल चुके वसीम मिर्जा ने इसे खुशी का क्षण बताया। पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार भी सगाई समारोह में दिखे। उन्होंने कहा, दोनों को बहुत-बहुत बधाई। उनका जीवन खुशियों से भरा रहे।

महंगाई, अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। महंगाई, अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते बाजार का रुझान तय होगा। 12 जून को सरकार की ओर से महंगाई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। महंगाई का पूरी अर्थव्यवस्था पर असर होता है। इस कारण शेयर बाजार के लिए भी महंगाई के डेटा को काफी अहम माना जाता है। अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 3.16 प्रतिशत थी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर अमेरिकी टैरिफ पर किसी भी अपडेट का बाजार पर काफी असर हो सकता है। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन शानदार रहा है और लगातार दो हफ्तों की गिरावट के बाद बाजार तेजी के साथ बंद हुए। निफ्टी 252 अंक या 1.02 प्रतिशत बढ़कर 25,003.05 और सेंसेक्स 737.98 अंक या 0.91 प्रतिशत बढ़कर 82,188.99 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व निफ्टी बैंक ने किया। इस दौरान मुख्य बैंकिंग इंडेक्स 1.5 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 56,578.40 पर बंद हुआ। इस दौरान इंडेक्स ने 56,695 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया। 2-6 जून के कारोबारी सत्र में निफ्टी रियल्टी में 9.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। मीडिया और आईटी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) शुद्ध विक्रेता रहे और इस दौरान उन्होंने 3,565 करोड़ रुपए की इक्विटी मार्केट में बिकवाली की। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने कैश सेगमेंट में 25,513 करोड़ रुपए का निवेश किया। मास्टर ट्रस्ट ग्रुप के डायरेक्टर पुनीत सिंघानिया ने कहा कि निफ्टी लगातार दो हफ्ते कमजोरी दिखाने के बाद 25,000 के ऊपर बंद हुआ है। इंडेक्स 21 दिनों और 55 दिनों के मूविंग एवरेज से ऊपर टिकने में कामयाब रही है। इंडेक्स के लिए सपोर्ट करीब 24,700 के आसपास का है। तेजी की स्थिति में निफ्टी के लिए 25,250 और 25,600 एक रुकावट का स्तर है।

भारत में तेजी से बढ़ रही इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री, मई में मार्केट शेयर 4 प्रतिशत के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कारों की कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों (ईवी) की हिस्सेदारी बढ़कर 4 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जो कि पिछले साल 2.6 प्रतिशत थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से जारी किए गए डेटा से यह जानकारी मिली। इस साल मई में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की हिस्सेदारी कुल बिक्री में अप्रैल के 3.5 प्रतिशत की तुलना में 0.5 प्रतिशत बढ़ी है, जो दिखाता है कि ईवी तेजी से ग्राहकों के बीच में लोकप्रिय हो रही है। रिटेल डेटा के मुताबिक, मई में 12,304 इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं, जबकि मई 2024 में यह संख्या सिर्फ 8,029 यूनिट्स थी। इस साल अप्रैल में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री 12,233 यूनिट्स रही थी। फाडा के सीईओ सहर्ष दमानी ने कहा, यह हमारे उद्योग के इलेक्ट्रिफिकेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह वृद्धि पहले के मुकाबले बैटरी टेक्नोलॉजी में सुधार, बेहतर रेंज और इलेक्ट्रिक मॉडल की लागत में कमी के कारण हुई है। टाटा मोटर्स ने मई के दौरान 4,351 यूनिट्स बेचकर इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में अपनी मार्केट लीडरशिप बनाए रखी। दूसरे नंबर पर मौजूद जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने मई में 3,765 इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की, जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा महीने के दौरान 2,632 यूनिट्स बेचकर तीसरे स्थान पर रही। फाडा के आंकड़ों के अनुसार, इन शीर्ष तीन इलेक्ट्रिक कार कंपनियों की इस सेगमेंट में कुल बिक्री में 87 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है। फाडा का अनुमान है कि रेयर अर्थ मिनरल की आपूर्ति में रुकावटों के चलते पूरा ग्लोबल ईवी सिस्टम प्रभावित हो सकता है। इसके कारण ईवी के उत्पादन में कमी देखने को मिल सकती है, जिसका असर रिटेल सेल्स पर भी हो सकता है। रेयर अर्थ मिनरल की आपूर्ति में वर्चस्व रखने वाले चीन ने हाल ही में इनके निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए हैं। इससे आपूर्ति श्रृंखला की समस्याएं पैदा होने का खतरा बढ़ गया है। केंद्र सरकार ने भारत में ग्लोबल कार मैन्युफैक्चरर्स से इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में निवेश आकर्षित करने के लिए नई स्कीम लॉन्च की है।

इंग्लैंड में भारतीय क्रिकेट टीम ने शुरू की ट्रेनिंग

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन पहुंचने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टेस्ट टीम ने अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। पांच मैचों की तैयारी के लिए युवा टीम ने प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया। इस टेस्ट सीरीज के साथ टीम इंडिया के लिए 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत भी हो जाएगी।

यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत का भी संकेत है, क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। भारत का लक्ष्य 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना है।

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर भारत के प्रशिक्षण सत्र की एक झलक साझा करते हुए कैप्शन लिखा, इंग्लैंड में टीम इंडिया की लय में आने की पहली झलक।

वीडियो में, टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह नए कप्तान शुभमन गिल, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत के साथ प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल हुए। ये एक कड़ा और तेज ट्रेनिंग सेशन था, जो लॉर्डस इंडोर क्रिकेट सेंटर में मुख्य कोच गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम की निगरानी में हुआ।

पांच मैचों की यह सीरीज 20 जून को लीड्स में शुरू होगी, जिसके बाद बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10 जुलाई से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल क्रमश: सीरीज के चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेंगे। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए ओपनिंग की और नंबर तीन बल्लेबाज के तौर पर भी खेला है। 32 टेस्ट में गिल ने 35.1 की औसत से 1893 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम पांच शतक और सात अर्द्धशतक शामिल हैं।

भारत की टीम : शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा. ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

श्रीनगर और कटरा के बीच वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शुरू

जम्मू (एजेंसी)। उत्तर रेलवे ने श्रीनगर शहर और जम्मू-कश्मीर के कटरा शहर के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा का वाणिज्यिक परिचालन शुरू कर दिया है।

अधिकारियों ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का वाणिज्यिक परिचालन शनिवार को शुरू हो गया, जिसे 6 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी। यह रेल सेवा रियासी जिले के कटरा कस्बे को कश्मीर घाटी से जोड़ती है। जम्मू रेलवे स्टेशन पर विस्तार कार्य पूरा होने के बाद इस साल सितंबर में जम्मू से घाटी तक रेल सेवा संचालित होगी। अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन को इस क्षेत्र में तापमान की चरम सीमाओं और मौसम की अनिश्चितताओं के अनुरूप बनाया गया है। वातानुकूलित और केंद्रीय रूप से गर्म, केबिन में चार्जिंग पॉइंट, आरामदायक बैठने की व्यवस्था, यात्रियों के लिए भोजन की सुविधा और ड्राइवर की विंडशील्ड के लिए डीफॉस्टिंग तकनीक इस ट्रेन की कुछ विशेषताएं हैं।

मौसम और सड़क की स्थिति ठीक रहने पर कटरा से श्रीनगर तक सड़क मार्ग से आठ घंटे का समय लगेगा। वंदे भारत ट्रेन कटरा से श्रीनगर तक तीन घंटे का समय लेगी।

कटरा और श्रीनगर के बीच रेल ट्रैक पर 36 सुरंगें और सैकड़ों पुल हैं, जिनमें चिनाब रेलवे पुल भी शामिल है, जो दुनिया का सबसे ऊंचा पुल है और पेरिस के एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है।

इस रेल लिंक पर अंजी केबल-स्टेड ब्रिज देश का पहला ऐसा रेलवे ब्रिज है। इन दोनों पुलों को इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता है, जिसके लिए भारतीय रेलवे ने दुनिया भर से सराहना अर्जित की है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अक्सर भूस्खलन, मिट्टी धंसने, पत्थर गिरने और दुर्घटनाओं के कारण सतह धंसने के कारण अवरुद्ध हो जाता है। अधिकारियों ने बताया कि वाणिज्यिक परिचालन का पहला दिन सुचारू रूप से चला और ट्रेनें शाम तक अपने गंतव्य तक पहुंच गईं।

कोको गौफ ने पहली बार जीता फ्रेंच ओपन का खिताब

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी को फाइनल में हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन महिला एकल का फाइनल 7 जून को फिलिप चैटियर कोर्ट में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और नंबर दो खिलाड़ी कोको गौफ के बीच हुआ. इस मैच में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली जिसमें कोको गौफ ने अंतत: तीन सेटों का मैच 2-1 से जीत लिया और अपने करियर का पहला फ्रेंच ओपन खिताब जीता. यह कोको गौफ का टेनिस करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है. 21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी कोको गौफ अपने टेनिस करियर में दूसरी बार फ्रेंच ओपन महिला एकल फाइनल में प्रवेश किया था. इससे पहले वो 2022 में फाइनल में पहुंची थी जहां उन्हें खिताबी मुकाबले में इगा स्विएटेक से हार मिली थी. इस बार कोको गौफ ने अपनी पिछली गलतियों से सीखा और खिताब जीतने में सफल रहीं. आर्यना सबालेंका के खिलाफ

उनका मैच लगभग 2 घंटे 38 मिनट तक चला जिसमें कोको गौफ पहला सेट हार गईं जिसे आर्यना सबालेंका ने टाईब्रेकर में जाकर 7-6 से जीत लिया. पहला सेट हारने के बाद कोको गॉफ ने दूसरे सेट में शानदार वापसी की और आर्यना सबालेंका पर दबाव पूरी तरह से खत्म कर दिया. कोको गौफ ने दूसरा सेट 6-2 से जीतकर मैच 1-1 से बराबर कर दिया. वहीं तीसरे सेट में आर्यना सबालेंका ने वापसी की कोशिश की लेकिन कोको गौफ ने 6-4 से सेट जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया.

रोहित शर्मा के बाद कौन होगा वनडे में टीम इंडिया का अगला कप्तान, नाम आ गया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने वाले कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है. अब वो सिर्फ भारत के लिए वनडे फॉर्मेट खेलते हुए नजर आएंगे. इस समय तक रोहित शर्मा भारत के लिए वाइट बॉल फॉर्मेट (सिर्फ वनडे) में कप्तान है.

लेकिन क्या रोहित को वनडे में कप्तान बनाया रखा जाएगा. क्या हिटमैन को वनडे टीम में बरकरार रखा जाएगा. इसको लेकर भी लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं. दरअसल कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रोहित टेस्ट क्रिकेट अभी और खेलना चाहते थे. उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर बतौर कप्तान खेलते हुए बीच में संन्यास लेने की बात भी कही थी लेकिन चयनकर्ताओं ने उन्हें बतौर खिलाड़ी पूरी सीरीज खेलने को कहा था. इसके बाद रोहित शर्मा ने अचानक संन्यास ले लिया.

रोहित ने रेड बॉल क्रिकेट के लिए अपना प्यार खुलकर कई बार जाहिर किया है. यहां तक कि उनके पिता को भी टेस्ट क्रिकेट पसंद है और वो रोहित के संन्यास से निराशा भी नजर आए. ये बात रोहित ने एक इंटरव्यू के दौरान कही थी. ऐसे में क्या बीसीसीआई और चयनकर्ता रोहित शर्मा को वनडे टीम से भी बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं ये अपने आप में ही बड़ा सवाल बना हुआ है. रोहित शर्मा 2027 वनडे वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं. इस समय रोहित की उम्र 38 साल से ज्यादा है और अभी वर्ल्ड कप 2027 में लगभग 2 साल से ज्यादा का समय बाकी है. तब तक रोहित 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे. ऐसे में क्या बीसीसीआई और चयनकर्ता उन पर दांव लगाना चाहेंगे. ये सबसे बड़ा सवाल है. ये भी हो सकता है कि टेस्ट की ही तरह चयनकर्ता रोहित शर्मा का पत्ता वनडे से भी काट दें और भविष्य की टीम बनाने के बारे में सोचें जो वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेल सके. भारत को टेस्ट में रोहित के बाद नया कप्तान शुभमन गिल के रूप में मिला है. वहीं टी20 से संन्यास के बाद रोहित के उत्तराधिकारी के रूप में सूर्यकुमार यादव को भारत का टी20 कप्तान बनाया गया है. अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट बचा है जिससे अगर रोहित की बतौर कप्तान छुट्टी हुई तो बीसीसीआई और चयनकर्ता उनका विकल्प तलाशने पर मजबूर हो जाएंगे. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी कप्तानी से सभी को प्रभावित करने वाले श्रेयस अय्यर भारतीय क्रिकेट टीम की वाइट बॉल कैप्टेंसी के दावेदार माने जा रहे हैं. बीसीसीआई और चयनकर्ता अगर रोहित शर्मा को वनडे क्रिकेट टीम के कप्तान के तौर पर हटाते हैं तो ऐसे में श्रेयस अय्यर के नाम पर कप्तान के रूप में विचार किया जा सकता है. अय्यर ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भारत के लिए मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हुए 11 मैचों में 2 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 530 रन बनाए थे. उनके पास वनडे वर्ल्ड कप खेलने का अनुभव भी है. अय्यर ने अपनी कप्तानी में आईपीएल 2024 में केकेआर को विजेता बनाया जबकि आईपीएल 2025 में फाइनल खेला जहां वो 6 रन से हार गए. इसके साथ ही वो दिल्ली कैपिटल्स को भी फाइनल में पहुंचा चुके हैं. उनमें भविष्य में एक सफल कप्तान बनने के सारे लक्षण दिखाई देते हैं. ऐसे में बीसीसीआई और चयनकर्ता आने वाले भविष्य में अय्यर के नाम पर कैप्टेंसी के लिए विचार कर सकते हैं.

अल्काटेल ने भारत में अपने बहुप्रतीक्षित वी3 सीरीज़ की लन्चिंग की घोषणा की

रायपुर। फ्रांस की जानी-मानी टेक्नोलजी ब्रांड अल्काटेल ने भारत में अपने बहुप्रतीक्षित वी3 सीरीज़ की लन्चिंग की घोषणा की है। इस सीरीज़ में तीन नए स्मार्टफोन शामिल हैं वी3 अल्ट्रा, वी3 प्रो और वी3 क्लासिक, जिन्हें खास तौर पर भारत के युवाओं के लिए बनाया गया है। ये स्मार्टफोन भारत में पहली बार एनएक्सटीपेपर डिस्प्ले तकनीक के साथ आए हैं, जो डिस्प्ले टेक्नोलजी की दुनिया में एक बड़ी उपलब्धि है। लन्च पर बात करते हुए अतुल विवेक, चीफ बिजनेस अफिसर, नेक्स्टसेल इंडिया ने कहा अल्काटेल को गर्व है कि हम भारत में पहली बार पेटेंटेड एनएक्सटीपेपर डिस्प्ले तकनीक लेकर आ रहे हैं। इससे इनोवेशन, यूजर कंफर्ट और बेहतर प्रोडक्टिविटी मिलती है। ये लन्च स्मार्टफोन यूज करने का तरीका बदल देगा, चाहे पढ़ना हो, बनाना हो या फिर यादगार पल कैप्चर करना। हम ऐसे डिवाइसेस लेकर आ रहे हैं जो परफॉर्मेंस और डिजाइन में तो बेहतरीन हैं ही, साथ ही यूजर की सेहत और उनकी सहूलियत का भी पूरा ध्यान रखते हैं। अंश राठी, चीफ अपरेटिंग अफिसर, नेक्स्टसेल इंडिया ने कहा भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए हम पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' विजन के साथ काम कर रहे हैं। अपनी मैन्युफैक्चरिंग यहीं लोकल करने से हम सप्लाई चेन को और बेहतर बना पाएंगे,

बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक ने रेपो रेट में कटौती के बाद लोन के लिए ब्याज दरें घटाई

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती करने के बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक सहित कई प्रमुख बैंकों ने लोन के लिए अपनी ब्याज दरों में कटौती की है।

पंजाब नेशनल बैंक, केंद्रीय बैंक द्वारा की गई कटौती का लाभ अपने ग्राहकों को सबसे पहले देने वाले बैंकों में से एक था, जिसने अपनी रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट को 8.85 प्रतिशत से घटाकर 8.35 प्रतिशत कर दिया।

हालांकि, बैंक ने अपनी बेस रेट और मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) को अपरिवर्तित रखा है।

बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रेपो-आधारित लेंडिंग रेट को 8.85 प्रतिशत से घटाकर 8.35 प्रतिशत कर दिया। यूको बैंक ने अलग रास्ता अपनाया और सभी लोन अवधियों के अपने एमसीएलआर में 10 आधार अंकों की कटौती की। 10 जून से प्रभावी होने वाले इन बदलावों से विभिन्न प्रकार के लोन जैसे होम और पर्सनल लोन थोड़े अधिक किफायती हो जाएंगे।

बैंक ने अपने ओवरनाइट एमसीएलआर को 8.25 प्रतिशत से घटाकर 8.15 प्रतिशत, एक महीने के एमसीएलआर को 8.45 प्रतिशत से घटाकर 8.35 प्रतिशत और तीन महीने के एमसीएलआर को 8.6 प्रतिशत से घटाकर 8.5 प्रतिशत कर दिया है।

यूको बैंक ने छह महीने और एक साल के एमसीएलआर को घटाकर क्रमश: 8.8 प्रतिशत और 9 प्रतिशत कर दिया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी चुनिंदा लोन अवधियों के लिए अपनी रेपो-लिंक्ड उधार दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की घोषणा की।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को अर्थव्यवस्था में वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए रेपो रेट में 50 आधार अंकों की बड़ी कटौती कर इसे 6 प्रतिशत से 5.5 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। इसके साथ आरबीआई गवर्नर ने सीआरआर में 100 आधार अंकों की कटौती की भी ऐलान किया, जो 6 सितंबर, 4 अक्टूबर, 1 नवंबर और 29 नवंबर से 25 आधार अंकों की चार बराबर किस्तों में प्रभावी होगी।

परिवार नियोजन और आधुनिक गर्भनिरोधकों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए इंफ्लुएंसर्स और विशेषज्ञ एक मंच पर एकत्रित

रायपुर। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, मीडिया प्रतिनिधियों , सामुदायिक रेडियो स्टेशनों, सरकारी प्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ऑनलाइन क्षेत्रीय चर्चा: परिवार नियोजन और आधुनिक गर्भनिरोधन पर बातचीत को आगे बढ़ानाष् में भाग लिया। यह एक सक्रिय और संवादात्मक कार्यशाला थी, जिसका उद्देश्य परिवार नियोजन (एफ्मी) से जुड़े जन चर्चा को सशक्त बनाना और जनजागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यशाला ने तकनीकी विशेषज्ञों और कंटेंट क्रिएटर्स के बीच चर्चा और सहयोग को प्रोत्साहित किया, जिससे परिवार नियोजन के बारे में फैली गलत धारणाओं को दूर किया जा सके और सटीक जानकारी का व्यापक प्रसार हो सके। ग्लोबल हेल्थ स्ट्रैटेजीज़ (जीएचएस) द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में झारखंड और छत्तीसगढ़ से 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, पत्रकार, सामुदायिक रेडियो स्टेशन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा सरकारी प्रतिनिधि शामिल थे। इन सभी का साझा उद्देश्य यह था कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के एक अहम पक्ष के रूप में परिवार नियोजन पर सूचित और समृद्ध चर्चा को बढ़ावा दिया जा सके। डॉ. खेमराज सोनवानी, स्टेट नोडल ऑफिसर - कंट्रोल एंड डिमांड सेंटर. छत्तीसगढ़ ने भारत के परिवार नियोजन के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। साथ ही, एफ्मी2030 प्रतिबद्धता के तहत, समानता, युवाओं की भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण देखभाल पर प्राथमिकता दी गई, ताकि हर व्यक्ति और दंपति को उनकी जरूरत के अनुसार गर्भनिरोधक तरीका उपलब्ध हो सके। डॉ. बीनू कुशवाह, जो कि एसएसएमसी, रीवा में प्रसूति और स्त्री रोग विभाग की प्रोफेसर हैं, ने सामाजिक-सांस्कृतिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जो विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं के लिए परिवार नियोजन को अपनाने में बाधा बनती हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 10 जून 2025

आईईडी ब्लास्ट में पुलिस अधिकारी के शहीद होने पर राज्यपाल ने जताया शोक

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज नक्सलियों द्वारा सुकमा के डोंड्रा के निकट किए गए IED विस्फोट में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आकाश राव गिरीपुंजे के शहीद हो जाने की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया। राज्यपाल ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। राज्यपाल ने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है।

छत्तीसगढ़ राज्य के पेंशनरों को एसबीआई द्वारा महंगाई राहत भत्ता न मिलने पर जताया आक्रोश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य के पेंशनरों के लिए दिनांक 14 मई 2025 को आदेश क्रमांक 18/2025 के माध्यम से 3 प्रतिशत महंगाई राहत भत्ते (DA) की घोषणा की गई थी। यह वृद्धि मई माह की पेंशन में समायोजित होनी थी, जिसका भुगतान जून माह में किया गया। साथ ही, एरियर की राशि भी उसी के साथ देय थी।

हालांकि, यह अतिरिक्त भत्ता अन्य बैंकों से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को मिल चुका है, किंतु भारतीय स्टेट बैंक से पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनरों को अब तक यह राशि प्राप्त नहीं हुई है, जिससे भारी असंतोष व्याप्त है।

इसी संदर्भ में आज छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय महामंत्री श्री उमेश मुदलियार, रायपुर जिला अध्यक्ष श्री पंकज नायक तथा जिला संरक्षक श्री विजय झा के नेतृत्व में भारतीय स्टेट बैंक, रायपुर की पेंशन शाखा पहुँचा। प्रतिनिधिमंडल ने शाखा प्रबंधक से भेंट कर ज्ञापन सौंपा और DA की राशि न मिलने पर गहरा आक्रोश जताते हुए नारेबाजी की।

शाखा प्रबंधक ने बताया कि इस संबंध में मुख्यालय (हेड ऑफिस) मुंबई को सूचना भेजी जा चुकी है, और दिनांक 11 जून 2025 तक संबंधित राशि पेंशनरों के खातों में जमा कर दी जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित तिथि तक यह राशि खातों में नहीं पहुंचती है, तो समस्त पेंशनर्स बैंक शाखा के समक्ष उग्र प्रदर्शन करते हुए विरोध प्रकट करेंगे।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में श्री सी.एल. दुबे (प्रांतीय सचिव), श्री विमल कुंडू (संभागीय अध्यक्ष), श्री बेनी राम गायकवाड़ (जिला सचिव), श्री बी.पी. कुरील (जिला कोषाध्यक्ष), श्री राजू मुदलियार, श्री राकेश त्रिवेदी, श्री यशवंत भोसले सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पत्रकारिता हर दौर में चुनौतीपूर्ण रही है, वक्ता मंच द्वारा प्रदेश के 100 पत्रकार सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। पत्रकारिता हर दौर में चुनौतीपूर्ण रही है। उत्तण्ड मार्तण्ड से लेकर आज तक के किसी भी कालखंड में यह सरल नहीं रही। डिजिटल युग ने पत्रकारिता को आम आदमी के हाथों तक पहुंचा दिया है। अब हर व्यक्ति न्यूज बना सकता है। इसलिए निष्पक्ष समाचारों को रोकने दबाव भी बढ़ा है जो चिंताजनक है। पिछले दिनों मेकाहारा में घटित प्रकरण अत्यधिक निंदनीय था। जागरूक समाज व आम नागरिको की एकजुटता ही लोकतंत्र के इस चौथे स्तंभ की रक्षा कर सकती है। पत्रकार वही व्यक्ति बनता है जो दुनिया से अलग और रचनात्मक होता है। लोकतंत्र में पत्रकारों भूमिका महत्वपूर्ण है। सजग और चौकस रहकर विश्वसनीय खबरों को देना आवश्यक है। इलेक्ट्रॉनिक चैनलों के बावजूद अखबारों की प्रसार संख्या में जारी वृद्धि से सिद्ध होता है कि पढ़ना भारतीयों के डी एन ए में शामिल है। मीडिया की विश्वसनीयता को बचाये और बनाये रखना हम सबका दायित्व है। वक्ता मंच का यह समारोह प्रदेश में स्वस्थ पत्रकारिता की दिशा व दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करनेवाला आयोजन है। यह कार्यक्रम लोकतंत्र को जीवंत बनाये रखने में योगदान देगा। इस सम्मान को प्राप्त करने के बाद पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ जायेगी। उपरोक्त विचार राजधानी के वरिष्ठ पत्रकारों ने कल रात्रि वक्ता मंच द्वारा संपन्न एक आयोजन में अतिथि की आसंदी से व्यक्त किए। उल्लेखनीय है कि अग्रणी सामाजिक संस्था वक्ता मंच द्वारा8 जून की शाम राजधानी के वृन्दावन सभागृह में स्व. बंशीलाल शर्मा स्मृति पत्रकारिता गौरव सम्मान समारोह के माध्यम से प्रदेश के प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व वेब मीडिया से चयनित 100 पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस भव्य समारोह में आसिफ इकबाल, प्रदीप जोशी, राजकुमार धर द्विवेदी, संदीप तिवारी, अनुराधा दुबे, पंडित पी के तिवारी, शिवशंकर सोनपिपरे, शोभा देवी शर्मा एवं डॉ मुकेश शाह मंच पर उपस्थित थे। अतिथियों ने लोकतंत्र का चौथा स्तंभ: संभावनाये व चुनौतियां विषय पर परिचर्चा में अपनी बातें रखी। आरम्भ में आयोजक शोभा देवी शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए जानकारी दी कि स्व. बंशीलाल शर्मा जी की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये परिजनों द्वारा वक्ता मंच के माध्यम से जन सरोकारों से जुड़े विविध आयोजन किये जाते है।

सम्मानित हो रहे पत्रकारों ने इस अवसर पर कहा कि स्व. बंशीलाल शर्मा जी के जीवन मूल्यों व पत्रकारिता के प्रति उनके समर्पण की स्मृति में आज दूर दराज में पत्रकारिता की लौ जलाये रखनेवालों का सम्मान करने से हमें आश्वस्ति मिली है कि हमारी आवाज को सुना और समझा जा रहा है और हमारे सरोकारों को स्वीकार्यता मिल रही है। पत्रकारिता केवल समाचार संप्रेषण का माध्यम नहीं अपितु समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को सामने लाने की प्रतिबद्ध जिम्मेदारी है। वक्ता मंच के इस आयोजन से प्रदेश के संपूर्ण पत्रकारिता जगत को नई ऊर्जा मिली है। आज के आयोजन का कुशल प्रबंधन टीम वक्ता मंच की ओर से शुभम साहू, राजाराम रसिक, दुष्यंत साहू, देव मानिकपुरी, संजय देवांगन, रामचन्द्र श्रीवास्तव, डॉ भारती अग्रवाल, पूर्णेश डडसेना, डॉ उमा स्वामी, मनीष अवस्थी, अखिलेश तिवारी, राजेंद्र रायपुरी, रुनाली चक्रवर्ती, रत्ना पांडेय एवं ऋषभ देव साहू द्वारा किया गया था। कार्यक्रम के अंत में वक्ता मंच द्वारा घोषणा की गई कि यह आयोजन क्रमिक रूप से जारी रहेगा क्योंकि एक कार्यक्रम में प्रदेश के सभी उत्कृष्ट मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया जाना संभव नहीं है। वक्ता मंच के संयोजक शुभम साहू द्वारा प्रस्तुत आभार प्रदर्शन के साथ समारोह संपन्न हुआ।

श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में कैरियर काउंसलिंग का सफल आयोजन, सोहेला से आए 150 छात्र-छात्राओं ने किया विश्वविद्यालय का भ्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 9 जून 2025 को श्री दावड़ा विश्वविद्यालय में एक विशेष शैक्षणिक एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सोहेला (तिल्दा) से 150 छात्र-छात्राएं एवं 5 स्टाफ सदस्य विश्वविद्यालय परिसर के शैक्षणिक भ्रमण हेतु पहुँचे। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अधोसंरचना एवं करियर विकल्पों से अवगत कराना था।

कार्यक्रम की शुरुआत स्मार्ट रूम में आयोजित कैरियर काउंसलिंग सत्र से हुई, जिसमें छात्रों को विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों, करियर संभावनाओं एवं नवाचार-आधारित शिक्षा पद्धतियों की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, एक वर्चुअल टूर के माध्यम से विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, सुविधाओं एवं शिक्षण प्रक्रिया की डिजिटल प्रस्तुति दी गई। प्रत्यक्ष भ्रमण के दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, समृद्ध पुस्तकालय, मॉक कोर्ट रूम, शूटिंग रेंज, हॉर्स राइडिंग एरिया और अन्य सह-पाठ्यक्रम स्थलों का अवलोकन किया। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय की विशेष सुविधाएं, जैसे शूटिंग और घुड़सवारी, छात्रों के लिए एक अनोखा और रोमांचकारी अनुभव रहा, जिसे उन्होंने अत्यंत सराहा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री कुमार श्वेताभ, मानद निदेशक श्री तुलसीदास सिंघानी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. वरुण गंजीर, एवं मार्केटिंग मैनेजर श्री रोहित साहू सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया।

विद्यार्थियों एवं स्टाफ के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिसके लिए पूर्व में कुलपति महोदय से विधिवत अनुमति प्राप्त की गई थी। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, मार्गदर्शक एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय द्वारा की गई यह पहल न केवल छात्रों के लिए लाभकारी रही, बल्कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिबद्धता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है।

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर 13 जून को 'टॉपर्स सम्मान समारोह 2025' आयोजित करेगा

नया रायपुर (विश्व परिवार)। कलिंगा विश्वविद्यालय शुक्रवार, 13 जून, 2025 को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टत्रक्कस्श्व) और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टक्कस्श्व) परीक्षा 2025 में 12वीं कक्षा में शीर्ष रैंक हासिल करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए टॉपर्स सम्मान समारोह 2025 आयोजित करने जा रहा है। यह कार्यक्रम कलिंगा विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में सुबह 11 बजे से होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. संदीप गांधी ने बताया कि संबलपुर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. नृपराज साहू इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम में संतोष राय कोचिंग संस्थान के प्रेरक वक्ता और संस्थापक डॉ. संतोष राय और एनएससीसी के संस्थापक और निदेशक श्री नरेंद्र सिंह गिल का प्रेरक सत्र शामिल होगा। सीजीबीएसई और सीबीएसई के शीर्ष 10 रैंक धारकों को नकद पुरस्कार और कलिंग विश्वविद्यालय में उनके इच्छित किसी भी अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम पर 100त्न छात्रवृत्ति मिलेगी। जिन छात्रों ने 80त्न और उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें कलिंग विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति नीति 2025 के अनुसार प्रमाण पत्र और छात्रवृत्ति मिलेगी। डॉ. गांधी ने आगे बताया कि प्रथम रैंक धारक को सम्मानित किया जाएगा और उन्हें 12, 000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा, दूसरे रैंक धारक को सम्मानित किया जाएगा और उन्हें 10, 000 रुपये दिए जाएंगे, तीसरे रैंक धारक को 8, 000 रुपये और चौथे से दसवें रैंक धारकों को 4, 000 रुपये दिए जाएंगे। छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए उपलब्धि का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान छात्र अपने अनुभव और सफलता के मंत्र दूसरों के साथ साझा करेंगे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के नया रायपुर में स्थित कलिंग विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए समर्पित एक प्रमुख संस्थान है शैक्षणिक विकास और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध, कलिंगा विश्वविद्यालय समग्र छात्र विकास के उद्देश्य से विविध प्रकार के कार्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियाँ प्रदान करता है।

रामगढ़िया सेवक सभा द्वारा वृक्षारोपण

रायपुर (विश्व परिवार)। रामगढ़िया सेवक सभा द्वारा हीरापुर, तेंदुआ में एक्यूरेट वालडॉक प्राइवेट लिमिटेड के प्रांगण में सभी सदस्यों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इसमें प्रमुख रूप से बलदेव सिंह, ओंकार सिंह, हरपाल सिंह, जसविंदर सिंह, अटल सिंह, मलकीत सिंह, चरणजीत सिंह, गुरबचन सिंह, हरदीप सिंह, मलकीत सिंह बाड़े एवं एक्यूरेट वेल्डर के दलजीत सिंह सैंभी, दिव्यजीत सिंह, डॉ. नरेंद्र भंवाल, सुरिंदर खुराना, मयंक खुराना, कुमुद नाथ शामिल थे।

नक्सलियों के कायरतापूर्ण हमले में शहीद ASP आकाश राव गिरपुजे की पार्थिव देह पर महापौर मीनल चौबे ने दी विनम्र आदरांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। आज राजधानी शहर की प्रथम नागरिक नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने नक्सलियों द्वारा किये गए कायरतापूर्वक हमले में सुकमा जिले के कोंटा क्षेत्र में शहीद एएसपी रायपुर निवासी आकाश राव गिरपुजे की पार्थिव देह पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें समस्त राजधानी वासियों की ओर से विनम्र आदरांजलि अर्पित की है.

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि शहीद आकाश राव गिरपुजे द्वारा मातृभूमि की सेवा करते हुए दी गयी शहादत को युगों ङ्क युगों तक ससम्मान स्मरण किया जाता रहेगा और नागरिकों को उनके साहस और वीरतापूर्ण कार्यों से सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा शक्ति प्राप्त होती रहेगी. शहीद एएसपी आकाश राव गिरपुजे ना सिर्फ रायपुर शहर के बल्कि सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के गौरव पुरुष हैं. उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी और भारत गणराज्य के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप गृह मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा के लोकप्रिय नेतृत्व में अतिशीघ्र सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य से नक्सलियों का पूर्णरूपेण सफाया होकर रहेगा।

समाज में महिलाओं की भागीदारी आवश्यक- ईश्वर

सब्जी भाजी बेचने के अलावा अन्य व्यवसाय पर भी देवें ध्यान

अभनपुर (विश्व परिवार)। शनिवार को मरार पटेल समाज अभनपुर राज की समीक्षा बैठक पटेल समाज के सामुदायिक भवन अभनपुर में संपन्न हुआ। जिसमें गत वर्ष की कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही समाज को आर्थिक और राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने कार्य योजना, समाज में महिलाओं की भागीदारी आदि पर विषयों पर चर्चा की गई।इस अवसर पर अभनपुर राज अध्यक्ष ईश्वर पटेल ने कहा मरार समाज जागरूक हो रहा है, किंतु आज भी अनेक क्षेत्रों में समाज कमजोर दिखाई पड़ता है। हमें आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से समाज को मजबूत बनाना होगा। इसके लिए समाज के लोगों को सब्जी बाड़ी के अलावा अन्य व्यापार व्यवसाय में भी आगे आना होगा। साथ ही युवाओं को अधिक से अधिक व्यवसायिक शिक्षा पर जोर दिया जाना चाहिए। तथा महिलाओं को भी समाज में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेन्द्र पटेल, कोषाध्यक्ष मधुसूदन पटेल, सचिव अवध पटेल, संरक्षक महादेव पटेल, टेकराम पटेल, उपाध्यक्ष नेतू राम पटेल, डॉक्टर कोमल पटेल, महामंत्री व्यासनारायण पटेल, भारत पटेल, संजय पटेल, माधवराम पटेल, सलाहकार बुधारू राम पटेल, पंचू पटेल, बंसी पटेल, देमन पटेल, राधेश्याम पटेल, नंदकुमार पटेल, संतोष पटेल, सखाराम पटेल, रिखीराम पटेल, रामूराम पटेल, झड़ी राम पटेल, गीतू पटेल, महितोष पटेल, योगेंद्र पटेल, गोपाल पटेल सहित विभिन्न गांव के ग्राम प्रमुखों की उपस्थिति रही।

यातायात अधिकारियों ने बस संचालकों की बैठक लेकर दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के अंतर्राज्यीय बस स्टैंड भाठागांव से प्रतिदिन लगभग 900 से अधिक बसों का संचालन होता है। बस चालकों द्वारा निर्धारित स्टापेज पर बस को न रोककर कहीं भी यात्री बिठाने/उतारने का कार्य किया जाता है जिससे नागरिकों को काफी असुविधा होती है। यात्री बसों में चालकों की लापरवाही से कई सड़क हादसों में सवार यात्रियों की आकस्मिक मौत हो जाती है। नागरिकों से मिल रही लगातार शिकायत एवं सड़क हादसों को देखते हुए डॉ. लाल उमेद सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर द्वारा बस संचालकों का बैठक लेकर समझाईश दिये जाने के निर्देश पर डॉ. प्रशांत शुक्ला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात द्वारा श्री गुरजीत सिंह एवं श्री सतीष ठाकुर उप पुलिस अधीक्षक यातायात व भाठागांव बस स्टैंड यातायात थाना प्रभारी निरीक्षक शील आदित्य सिंह की उपस्थिति में 46 बस संचालकों का यातायात कार्यालय के मीटिंग हॉल में बैठक लिया। बैठक में रायल ट्रेव्हल्स के संचालक अनवर अली, दुबे ट्रेव्हल्स के संचालक श्री जसविंदर सिंह, महेन्द्रा ट्रेव्हल्स के संचालक श्री इंदरदीप सिंह, साई ट्रेव्हल्स, जीवन महेन्द्रा बस सर्विस, शताब्दी बस सर्विस, न्यू बस सर्विस, लक्ष्मी ट्रेव्हल्स, आयान ट्रेव्हल्स, कसार ट्रेव्हल्स, राधे कृष्ण ट्रेव्हल्स, प्रांजल ट्रेव्हल्स, होरा ट्रेव्हल्स, पायल ट्रेव्हल्स, राजहंस ट्रेव्हल्स, सुमीत रोडवेज एवं ट्रेव्हल्स के संचालकगण एवं पदाधिकारी कुल 46 लोग उपस्थित हुए। डॉ. प्रशांत शुक्ला ने कहा कि राजधानी के यातायात का बड़ा हिस्सा बस ट्रांसपोर्ट सिस्टम का है। राजधानी के बस स्टैंड से दूसरे राज्यों में बसों का संचालन होता है। राजधानी में आपके बसों से दूसरे राज्य के लोग जब सफर करते है और परिवहन सिस्टम का आकलन करते है तो आपके द्वारा बनाये गये छबि पूरे राज्य की छबि को प्रदर्शित करती है। ट्रांसपोर्ट सिस्टम बेहतर व यातायात के सुगम संचालन में सहायक होना चाहिए। आपके चालक, परिचालक का व्यवहार यात्रियों के साथ सौम्य एवं सम्मानजनक हो। आपका व्यवसाय आपके प्रतिस्पर्धा से नही आपके चालक/परिचालक के व्यवहार से बढ़ता है। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं बस संचालकों को निम्नानुसार निर्देश दिया गया- बस स्टैंड से बसें निकलने के बाद निर्धारित स्टापेज पर ही रूके, कहीं भी बस खड़ी कर यात्रियों को चढ़ाने, उतारने का कार्य न करें। परमिट में दिये गए शर्तो का पालन कर एवं निर्धारित समय पर ही संचालन करें।

स्वर्णकार समाज के हित में राष्ट्रीय सोनी समाज की बैठक मोती महल पैलेडियम में की गई आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वर्णकार समाज के हित में राष्ट्रीय सोनी समाज की बैठक मोती महल पैलेडियम रायपुर में आयोजित की गई। सबका साथ, सबका विकास के तहत स्वर्णकार समाज के हित में आयोजित राष्ट्रीय सोनी समाज की बैठक मोती महल पैलेडियम रायपुर में आयोजित की गई। बेंगलोर से आए जयप्रकाश सोनी एवं बिलासपुर से अवनीश कुमार सोनी ज्वाइन डायरेक्टर आईटीआई के विशेष प्रयास से यह बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में विभिन्न प्रदेशों से आए सोनी समाज के वरिष्टजन, व्यापारी वर्ग कॉन्टैक्टर, उच्च पदों पर पदस्थ अधिकारी, समाजसेवी एवं राजनीति से जुड़े सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। विशेष कर रायपुर दक्षिण से सोनी समाज से विधायक सुनील सोनी की उपस्थिति ने बैठक में चार चांद लगा दिए।

विभिन्न प्रदेशों से आए सामाजिक बंधुओ ने सामाजिक हितों हेतु अपने विचार रखें एवं सुझाव दिए कि अन्य समाजों की तरह सोनी समाज में भी विभिन्न कार्यक्रमों में फिजूल खर्ची रोकें। साथ ही सारे समाज के लोग राष्ट्रीय स्तर पर एक होकर अपनी उपस्थित शासन को दिखाएं देश में होने जा रही जाति जनगणना में सभी सोनी बंधु अपने नाम के आगे सोनी शब्द अवश्य जोड़ें जिससे सभी सोनी बंधुओं को पिछड़ा वर्ग का लाभ मिल सके अभी हमारे सोनी समाज में सभी लोग कोई गुप्ता, सेठ, सोनार, गोस्वामी, वर्मा, सराफ एवं स्थान के आधार पर सरनेम लिखते हैं जिस कारण सोनी समाज के लोग एक दूसरे को समझ नहीं पाते कि यह कहां के सोनी हैं और भी काफी विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया गया सभी ने अपने सुझाव दिए विचार व्यक्त किए एवं आगे सोनी समाज को राष्ट्रीय स्तर पर संगठित करने के लिए एक स्वर में सभी ने समर्थन किया। आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है जो छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों में बैठक की जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार से छत्तीसगढ़ स्वर्णकला बोर्ड गठित करने की भी चर्चा की।

इस कार्यक्रम में रायपुर से प्रभात सोनी, विनोद वर्मा, हरिशंकर सोनी (प्रिंट मीडिया से) विजय सोनी कृष्ण कुमार सोनी (एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया असिस्टेंट जनरल मैनेजर) दुर्गा प्रसाद सोनी, राजेश कुमार सोनी, डॉक्टर मनीष कुमार गुप्ता, दुर्ग भिलाई से सतीश सोनी, अमित सोनी, डॉक्टर अखिलेश स्वर्णकार, खैरागढ़ राज परिवार से नरेंद्र सोनी, अशोक कुमार वर्मा(एयरपोर्ट) जयप्रकाश सोनी बेंगलोर से, अंकित सोनी पुणे से, नानक राम सोनी जयपुर राजस्थान से, नारायण सेठ मुंबई से, संतोष गुप्ता राहोद जांजगीर चांपा से, एवं अवनीश सोनी (ज्वाइन डायरेक्टर आईटीआई बिलासपुर से) की उपस्थिति गरिमामय में रही।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354